इंदौर, भोपाल से एक साथ प्रकाशित

मृदुभाषी

सच्ची ख़बरें, सलीके के साथ



03
विवाद बढ़ते ही बाबा बागेश्वर ने मांगी माफी



04
हर जिले में खुलेंगे AI प्रशिक्षण केंद्र

youtube.com/mradubhashi x.com/mradubhashi1 facebook.com/mradubhashi

इंदौर, मंगलवार, 03 नवम्बर 2026 नगर संस्करण, वर्ष: 07, अंक: 47, पृष्ठ: 08, मूल्य: 5:00 रूपए

मप्र में श्रीकृष्ण पाथेय का नया खाका

उज्जैन में बनेगी डिजिटल लाइब्रेरी मंदिर की जमीनों से बढ़ेगी आय

मृदुभाषी। उज्जैन

मध्यप्रदेश में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, दर्शन और उनसे जुड़े पौराणिक स्थलों को संजोने के लिए सरकार ने एक बड़ी कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत उज्जैन में एक अत्याधुनिक रिसर्च लाइब्रेरी बनाई जाएगी, जहां दुर्लभ पांडुलिपियों और शोध पत्रों को सुरक्षित रखकर अध्ययन की सुविधा दी जाएगी। इसके साथ ही श्रीकृष्ण पर आधारित डॉक्यूमेंट्री, नाटक और संगीत कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार के लिए विशेष डिजिटल प्लेटफॉर्म और यूट्यूब चैनल भी शुरू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में आयोजित 'श्रीकृष्ण पाथेय न्यास' की कार्यसमिति की बैठक में ये निर्देश दिए।



उन्होंने स्पष्ट किया कि भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाएं आज भी जीवन प्रबंधन, कृषि, अर्थव्यवस्था और गौ-संवर्धन में बेहद प्रासंगिक हैं। बैठक में मंदिरों की वित्तीय स्थिति सुधारने और उनकी परिसंपत्तियों के बेहतर उपयोग पर बड़ा फैसला लिया गया। मंदिरों के पास मौजूद जमीनों पर अब खेती के साथ-साथ व्यावसायिक गतिविधियां शुरू की जाएंगी, ताकि उनसे होने वाली आय से मंदिरों का प्रबंधन सुचारू रूप से चल सके। इसके अलावा बड़े मंदिरों की कमाई का एक हिस्सा आसपास की गौशालाओं और 'वृंदावन गांवों' के विकास में खर्च करने का सुझाव भी दिया गया है। बैठक के दौरान राज्य में चल रही कई बड़ी सांस्कृतिक और धार्मिक परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

धार्मिक स्थलों का कायाकल्प और जल गंगा अभियान

भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली उज्जैन के सांदीपनि आश्रम के साथ-साथ प्रदेश के उन सभी स्थानों को प्रमुख तीर्थ के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां श्रीकृष्ण के कदम पड़े थे।

मंदिरों में मौजूद प्राचीन कुओं, बावड़ियों और जल संरचनाओं के संरक्षण के लिए जल गंगा अभियान के तहत काम होगा।

प्रदेश के 3,200 से अधिक मंदिरों के रखरखाव, भव्य प्रवेश द्वारों के निर्माण और सौंदर्यीकरण के निर्देश दिए गए हैं। इन कार्यों में कृष्ण भक्ति से जुड़ी संस्थाओं और ट्रस्टों का सहयोग भी लिया जाएगा।

प्रमुख लोक एवं धाम: नारायण धाम (महिदपुर), श्रीकृष्ण धाम (छतरपुर), जानापाव (महू), अमझेरा (धार), मां जागेश्वरी लोक (चंदेरी), श्रीकृष्ण राधा लोक (पन्ना) और रायसेन की जमगढ़ पहाड़ियों में चल रहे विकास कार्यों की रफ्तार बढ़ाई गई।

ई-मेल के बाद मचा हड़कंप

इंदौर में दिलजीत दोसांझ के शो से पहले तीन स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

मृदुभाषी। इंदौर



मशहूर पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के 15 नवंबर को इंदौर में प्रस्तावित लाइव कॉन्सर्ट से पहले शहर में सनसनी फैल गई है। कॉन्सर्ट से ठीक पहले शहर के तीन से चार प्रतिष्ठित स्कूलों के प्रबंधन को धमकी भरे ई-मेल प्राप्त हुए हैं, जिसके बाद पुलिस और प्रशासन में हड़कंप मच गया है।

प्राप्त ई-मेल में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि कोई भी व्यक्ति दिलजीत दोसांझ के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचता है, तो उस स्थान को बम से उड़ा दिया जाएगा। धमकी मिलते ही स्कूल प्रबंधन ने तत्परता दिखाते हुए मामले की सूचना पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को दी। सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच और बम निरोधक दस्ता (बम स्क्वॉड) की टीम तुरंत हरकत में आई और संबंधित स्कूलों में पहुंचकर व्यापक सर्चिंग अभियान शुरू किया। बम निरोधक दस्ते द्वारा स्कूल परिसरों, कक्षाओं और आसपास के संवेदनशील इलाकों की बारीकी से जांच की जा रही है ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु या खतरे की संभावना को समय रहते टाला जा सके। फिलहाल पुलिस ई-मेल भेजने वाले की पहचान करने में जुटी है।

'राहुल गांधी विदेशी ताकतों के टूलकिट'

नवीन का हमला, देश में फैला रहे अराजकता

मृदुभाषी। नई दिल्ली



कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा सोशल मीडिया 'X' पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर की गई टिप्पणी के बाद राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। राहुल गांधी ने सोमवार को पोस्ट कर आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने हैं और उन्हीं की बदौलत पद पर बने हुए हैं। राहुल के इस बयान पर पलटवार करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने तीखा हमला बोला है।

देशभर में चलाए जा रहे 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत कोलकाता में आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने राहुल गांधी पर देश को अस्थिर करने का आरोप लगाया। नितिन नवीन ने कहा कि विदेशी ताकतें भारत में अशांति और अस्थिरता पैदा करना चाहती हैं और इसके लिए राहुल गांधी का इस्तेमाल एक 'टूलकिट' की तरह किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राहुल उन ताकतों का नेतृत्व कर रहे हैं जिन्होंने नेपाल और अन्य पड़ोसी देशों में अराजकता फैलाई। नितिन नवीन ने कहा कि राहुल गांधी के पास देश के विकास के लिए कोई विजन नहीं है और भविष्य में कांग्रेस के पूरी तरह समाप्त होने के लिए वे खुद ही जिम्मेदार होंगे। तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस के गठबंधन पर सवाल उठाते हुए उन्होंने याद दिलाया कि बंगाल विधानसभा चुनावों के दौरान राहुल गांधी ने खुद ममता बनर्जी सरकार के भ्रष्टाचार और कुशासन के खिलाफ मोर्चा खोला था।

एक करोड़ मुआवजे का ऐलान

शराब माफिया की हिमाकत टीआई को ट्रक से कुचला

मृदुभाषी। देवास

देवास जिले के खातेगांव में कर्तव्य पथ पर एक ऐसी सनसनीखेज और झकझोर देने वाली वारदात सामने आई है, जिसने पूरे पुलिस महकमे को हिलाकर रख दिया है। अवैध शराब के काले कारोबार पर नकेल कसने उतरे खातेगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी को तस्करों ने एक बेकाबू ट्रक से कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। यह खौफनाक वारदात रविवार देर रात हरदा-नेमावर मार्ग पर उस वक्त हुई, जब पुलिस टीम संदिग्ध ट्रकों की घेराबंदी कर रही थी। तस्करों ने पुलिस की कार्रवाई से बचने और अपनी खाल बचाने के लिए कानून की परवाह किए बिना वाहन सीधे तेज रफ्तार में आगे बढ़ा दिया, जिसकी चपेट में आकर जुझारू टीआई गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही उनका निधन हो गया। इस दुस्साहसिक घटना से पूरे प्रदेश में आक्रोश और मातम का माहौल है।

महकमे को मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली थी कि हरदा की ओर से एक संदिग्ध वाहन अवैध शराब की बड़ी खेप लेकर हरदा-नेमावर मार्ग से गुजरने वाला है। इस इनपुट पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अलग-अलग टीमें गठित कर इलाके में सख्त घेराबंदी की थी। जैसे ही संदिग्ध आयशर वाहन (क्रमांक एमपी 43 एच 4786) वहां से गुजरा, खातेगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी ने अपनी टीम के साथ उसे रोकने का प्रयास किया। लेकिन तस्करों के हौ इतने बुलंद थे कि उन्होंने रुकने के बजाय पुलिस अधिकारी को ही रौंद दिया। तलाशी के दौरान इस वाहन से करीब 298 पेटी अवैध शराब बरामद की गई है, जिसे छिपाने के लिए वाहन में विशेष गुप्त कंपार्टमेंट बनाए थे।





मुख्यमंत्री की सख्त कार्रवाई की दो टूक



घटना की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार ने इसे बेहद कड़ाई से लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस जघन्य हत्याकांड पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मामले की निष्पक्ष और तह तक जांच के आदेश दिए हैं। जांच की कमान संभालते हुए मुख्यमंत्री ने स्पेशल डीजी उपेंद्र जैन को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया है। सरकार ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि अपराधियों और उनके संरक्षकों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। इसके साथ ही, कर्तव्य की वेदी पर प्राण न्यौछावर करने वाले वीर बलिदानी टीआई दिलीप पुरी के सम्मान और उनके परिवार के संबल के लिए मुख्यमंत्री ने बड़े प्रशासनिक फैसलों का ऐलान किया है। दिवंगत अधिकारी की धर्मपत्नी को उप निरीक्षक (एसआई) पद पर अनुकंपा नियुक्ति और शोकाकुल परिवार को एक करोड़ रुपये की भारी-भरकम आर्थिक सहायता देने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं, ताकि इस विकट समय में सरकार पीड़ित परिवार के साथ चट्टान की तरह खड़ी नजर आए।

जहरीली शराब कांड के बाद गरमाया माहौल: यह सनसनीखेज वारदात ऐसे समय में सामने आई है जब हाल ही में देवास जिले के चंदाना और बिजाना गांवों में जहरीली शराब पीने से हुई कई मौतों का मामला पहले ही प्रशासनिक तंत्र पर सवाल खड़े कर चुका है। उस हादसे के बाद से ही जिले भर में अवैध शराब के अड्डों और तस्करों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही थी। ऐसे में, एक थाना प्रभारी का इस तरह खुलेआम कत्ल कर दिया जाना अवैध शराब माफियाओं के हौसलों की इंतहा को बयां करता है। इस बीच उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने भी दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि अपराधी चाहे किसी भी रसूख या राजनीतिक दल से जुड़े क्यों न हों, कानून के शिकंजे से बच नहीं पाएंगे और उनके खिलाफ कठोरतम दंड सुनिश्चित किया जाएगा। मूल रूप से धार जिले के राजोद थाना क्षेत्र के बरमंडल गांव के रहने वाले 2007 बैच के जांबाज उप निरीक्षक दिलीप पुरी ने इससे पहले इंदौर के हीरानगर और चंदननगर जैसे संवेदनशील थानों में भी अपनी उत्कृष्ट सेवाएं दी थीं, और उनका इस तरह जाना पुलिस परिवार के लिए अपूर्णीय क्षति है।

फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट से प्रचार

अमेरिकी चुनाव में दखल दे रहीं भारतीय कंपनियां

नई दिल्ली। अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में भारतीय कंसल्टेंट कंपनियों और कंटेंट क्रिएटर्स पर सोशल मीडिया के जरिए उम्मीदवारों का प्रचार करने का आरोप है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, ये लोग पैसे लेकर फर्जी अकाउंट बनाते हैं और उनसे अपने उम्मीदवार के समर्थन में पोस्ट और वीडियो शेयर करते हैं। विरोधी नेताओं के भाषणों को काट-छांटकर गलत तरीके से पेश करते हैं और उनके खिलाफ झूठे दावे फैलाते हैं। यह काम सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं है। भारतीय कंसल्टेंट्स अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और पड़ोसी देशों के चुनावों में भी काम कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट का सख्त निर्देश

संविधान के प्रावधान सिर्फ कागजों तक सीमित न रहें

मृदुभाषी। नई दिल्ली



बंधुआ मजदूरी के दलदल से मुक्त कराए गए मजदूरों के पुनर्वास को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक बेहद अहम और कड़ा रुख अपनाया है। सर्वोच्च अदालत ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि बंधुआ मजदूरी खत्म करने से जुड़े कानूनों और पुनर्वास योजनाओं को बेहद प्रभावी तरीके से लागू किया जाए। अदालत ने दो टूक शब्दों में कहा कि संविधान में बंधुआ मजदूरी पर रोक लगाने का प्रावधान सिर्फ कागजों पर लिखी बात बनकर नहीं रह सकता। मजदूरों को केवल शोषण से मुक्त करा देना ही सरकार की जिम्मेदारी पूरी होने के लिए काफी नहीं है, बल्कि उन्हें समाज में सम्मान के साथ जीने के लिए आर्थिक मदद और रोजगार का पुख्ता सहारा भी देना होगा, अन्यथा वे दोबारा शोषण के इसी जाल में फंस सकते हैं। कोर्ट ने केंद्र सरकार को इस संबंध में छह महीने के भीतर एक समान मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) लागू करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने 'बंधुआ मजदूरी प्रणाली (उन्मूलन) अधिनियम, 1976' और उससे जुड़ी पुनर्वास योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर कई सख्त निर्देश जारी किए हैं। अदालत दो अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें मुक्त कराए गए लोगों को तुरंत आर्थिक सहायता मिलने में हो रही देरी और उनकी पहचान, रिहाई तथा पुनर्वास की व्यवस्था में मौजूद गंभीर कमियों का मुद्दा उठाया गया था। पीठ ने स्पष्ट किया कि बंधुआ मजदूरी से मुक्ति, उनकी सही पहचान और उनका समय पर पुनर्वास—ये सभी प्रक्रियाएं एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं। इसलिए सरकार की जिम्मेदारी मजदूर को केवल कानूनी रूप से आजाद कराने के बाद समाप्त नहीं हो जाती।

पीजी मेडिकल काउंसलिंग मामला

इन-सर्विस उम्मीदवारों को दाखिला देने पर याचिका



मृदुभाषी। जबलपुर

पोस्ट ग्रेजुएट (PG) मेडिकल काउंसलिंग की प्रथम चरण की मेरिट सूची में इन-सर्विस (सेवारत) उम्मीदवारों को खुली श्रेणी (ओपन कैटेगरी) में दाखिला दिए जाने के मामले में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है। इस पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और संचालक चिकित्सा शिक्षा (DME) को नोटिस जारी कर दो दिन के भीतर जवाब तलब किया है। इसके साथ ही युगलपीठ ने यह निर्देश भी दिए हैं कि इन-सर्विस अभ्यर्थियों को केवल 30 प्रतिशत आरक्षित सीटों के दायरे में ही प्रवेश दिया जाए। यह याचिका भोपाल निवासी जान्हवी बतरा और एस. सिंह की ओर से दायर की गई है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पैरवी करते हुए कहा गया कि नियमों के तहत इन-सर्विस उम्मीदवारों के लिए 30 फीसदी सीटें पहले से आरक्षित हैं, ऐसे में उन्हें खुली श्रेणी की सीटों पर दाखिला देना पूरी तरह अवैध है। याचिका में तर्क दिया गया कि इस तरह की प्रक्रिया से सामान्य और खुली श्रेणी के मेधावी छात्रों के हित सीधे तौर पर प्रभावित हो रहे हैं। माम की गंभीरता को देखते हुए चीफ जस्टिस अल्पेश वाई कोगजे और जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने इस पर सुनवाई की और मामले की अगली सुनवाई के लिए 5 नवंबर की तारीख निर्धारित की है। संचालक चिकित्सा शिक्षा द्वारा पीजी मेडिकल काउंसलिंग के पहले चरण की मेरिट सूची पहले ही जारी की जा चुकी है।

हैदराबाद रैली में अमित शाह का बड़ा हमला

नकली संसद में ही पीएम बन जाएं राहुल गांधी

मृदुभाषी। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को हैदराबाद में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च में शामिल हुए। विपक्ष के विरोध के जवाब में भाजपा द्वारा देशभर में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत जनसभा को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पर तीखे जुबानी हमले बोले।

अमित शाह ने राहुल गांधी की 'मॉक पार्लियामेंट' पर तंज कसते हुए कहा कि



राहुल गांधी ने दिल्ली में नकली संसद लगाई, अगर वे उसके ही प्रधानमंत्री बन जाते तो सोनिया गांधी के दिल को शांति मिल जाती, क्योंकि असली संसद में तो वे कभी प्रधानमंत्री नहीं बन पाएंगे। उन्होंने तंज कसा कि राहुल गांधी चुनाव खत्म होते ही विदेश चले जाते हैं, जबकि देश में राजनीति करने के लिए पसीना बहाना पड़ता है। SIR (विशेष गहन पुनरीक्षण) के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरते हुए गृह मंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मतदाता सूची से बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम हटाए जाने का विरोध कर रही है, क्योंकि ये घुसपैठिए उनका मुख्य वोट बैंक हैं।

'जीतें तो जनता ने जिताया, हारें तो EVM पर ठीकरा': EVM पर राहुल गांधी के आरोपों का जवाब देते हुए अमित शाह ने कहा कि 'नाच न जाने आंगन टेढ़ा' वाली कहावत कांग्रेस पर सटीक बैठती है। जब कांग्रेस चुनाव हारती है तो EVM को दोष देती है, और जब जीतती है तो कहती है कि जनता ने जिताया। अगर EVM खराब है तो तेलंगाना में रेवंत रेड्डी मुख्यमंत्री कैसे बने, और हिमाचल तथा केरल में कांग्रेस व उनके सहयोगियों की सरकारें कैसे बनीं?

12 साल के बेदाग शासन बनाम 12 लाख करोड़ के घोटाले: अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी के नेतृत्व की तुलना करते हुए कहा कि कांग्रेस के 10 साल के शासन में 12 लाख करोड़ रुपये के घोटाले हुए थे, जबकि प्रधानमंत्री मोदी के 12 साल के कार्यकाल में उन पर चार आने के भ्रष्टाचार का भी आरोप नहीं लगा है। देश की जनता अब झूठ फैलाने वालों को नकार चुकी है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि सरकार EVM, SIR और घुसपैठियों के मुद्दे पर संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए तैयार है, कांग्रेस में हिम्मत है तो चर्चा के लिए आए।

संवाद से ही संभव है व्यक्तित्व परिवर्तन

अभ्यास मंडल ने अग्रसेन विद्यालय में चलाया जल संरक्षण जागरूकता अभियान



मृदुभाषी। इंदौर

अभ्यास मंडल इंदौर द्वारा अग्रसेन विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें व्यक्तित्व विकास और जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत शिक्षाविद् डॉ. पल्लवी आढ़ाव के उद्बोधन से हुई, जिन्होंने विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच के साथ दिन की शुरुआत करने, लक्ष्य निर्धारण करने और तनाव प्रबंधन के गुर सिखाए।

डॉ. पल्लवी ने भोजन करने के तौर-तरीकों, दैनिक कार्यों को बेहतर रूप देने, माता-पिता का सम्मान करने और उनके अनुभवों से सीखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे संवादों के जरिए व्यक्ति अपने व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है और अपनी कमजोरियों को अपनी ताकत बना सकता है। कार्यशाला के दूसरे सत्र में वक्ता संदीप खानवलकर ने विद्यार्थियों को जल संरक्षण का ज्ञानार्जन कराया। उन्होंने जलभराव, वर्षा के पानी के संचयन, भूजल स्तर, नदी, कुएं, तालाब, स्वच्छ जल और गंदे पानी के पुनर्चक्रण (रीयूज) पर जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने नर्मदा नदी और स्थानीय कान्ह-सरस्वती नदियों की स्थिति पर चर्चा करते हुए विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे जल संरक्षण का यह जागरूकता संदेश घर-घर तक पहुंचाएं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कांचन शेदुर्णिकर और मनीष भालेराव ने संयुक्त रूप से किया, जबकि रत्नम पुरोहित ने सभी को जल बचाने की शपथ दिलाई। इस प्रेरणादायक आयोजन में अभ्यास मंडल से शंकरलाल गर्ग, शफी शेख, प्रणीता दीक्षित, मुरली खंडेलवाल, बाबूलाल अग्रवाल और नेमा विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में वैशाली खरे ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

जल बचाव पोस्टर का लोकार्पण और शपथ ग्रहण

कार्यक्रम के दौरान अभ्यास मंडल द्वारा तैयार किए गए विशेष 'जल बचाव' पोस्टर का लोकार्पण किया गया और विद्यार्थियों को जल जागरूकता के स्टीकर वितरित किए गए। इस अवसर पर विद्यालय की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रसनिधि कुमार गुप्ता और प्राचार्या मीनल सोले को डॉ. माला सिंह ठाकुर तथा हरेराम वाजपेयी ने स्मृति चिन्ह भेंट किया।

राज्यपाल 15 दिसंबर को करेंगे उद्घाटन

इंदौर में होगा बैंक सेवानिवृत्त कर्मियों का 7वां महाधिवेशन



मृदुभाषी। इंदौर

राष्ट्रीयकृत बैंकों के सेवानिवृत्त कर्मचारियों का तीन दिवसीय 7वां अखिल भारतीय महाअधिवेशन आगामी 15 से 17 दिसंबर 2026 को इंदौर के अभय प्रशाल में आयोजित किया जाएगा। मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल 15 दिसंबर को इस भव्य आयोजन का उद्घाटन करेंगे। वर्तमान में देश भर में राष्ट्रीयकृत बैंकों के सेवानिवृत्त संवर्ग की संख्या लगभग साढ़े तीन लाख है, जिनमें से 3.25 लाख से अधिक कर्मचारी अखिल भारतीय बैंक सेवानिवृत्त महासंघ के सदस्य हैं।

महाअधिवेशन की विस्तृत तैयारियों को लेकर श्री मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति में विभिन्न समितियों के प्रभारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए महासचिव शरबत जैन ने बताया कि इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन में देश भर से लगभग 1500 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम के प्रारंभ में एक भव्य सद्भावना रैली निकाली जाएगी, जिसके बाद मुख्य रूप से पेंशन अपडेशन और बेहतर चिकित्सा सुविधाओं जैसे अहम मुद्दों पर गहन चर्चा की जाएगी। इस विशाल आयोजन के लिए गठित स्वागत समिति के अध्यक्ष मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश सुभाष काकडे को बनाया गया है। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने आयोजन की सफलता के लिए रूपरेखा साझा की। इस अवसर पर शिवाजी मोहिते, अजय व्यास, जयेश आचार्य, डॉ. आर.डी. यादव, कश्यप और एम.एस. चोरे ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन किशोर धर्माधिकारी ने किया, जबकि आभार शरद व्यास ने व्यक्त किया। यह पूरा आयोजन बैंक सेवानिवृत्त मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ इकाई के तत्वावधान में संपन्न हो रहा है।

1 लाख से अधिक स्थानों पर चल रही शाखाओं का दायरा बढ़ाएगा संघ, 4 नवंबर तक चलेगी समीक्षा बैठक

आरएसएस का देशभर में शाखा विस्तार पर जोर

मृदुभाषी। इंदौर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) देशभर में अपनी शाखाओं का व्यापक विस्तार करने की योजना बना रहा है।

वर्तमान में देशभर में 1 लाख से अधिक स्थानों पर संघ की शाखाएं नियमित रूप से संचालित हो रही हैं, जिनके दायरे को आगामी वर्ष में और अधिक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। संघ का मानना है कि शाखाएं युवाओं और किशोरों को संगठन से जोड़ने तथा उनमें राष्ट्रवाद के संस्कार भरने का सबसे सशक्त माध्यम हैं। इसी कारण नए वर्ष में शाखाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सोमवार से शुरू हुई संघ की उच्चस्तरीय बैठक में शाखा विस्तार के साथ-साथ 'पंच परिवर्तन' के क्रियान्वयन और पुराने कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस बैठक में संघ के सभी 11 क्षेत्रों के क्षेत्र संघचालक, क्षेत्र कार्यवाह और क्षेत्र प्रचारक तथा 46 प्रांतों के प्रांत संघचालक, प्रांत कार्यवाह एवं प्रांत प्रचारक भाग ले रहे हैं। इसके अलावा, आरएसएस के विभिन्न अनुषांगिक संगठनों के राष्ट्रीय संगठन मंत्री और सह संगठन मंत्रियों को भी बैठक में विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। बैठक के दौरान संघ अपने अनुषांगिक संगठनों की संख्या बढ़ाने के विषय पर भी गहन मंथन कर सकता है। आगामी 4 नवंबर तक चलने वाली इस बैठक में संघ के शताब्दी वर्ष के दौरान आयोजित कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। इस दौरान विशेष रूप से 'पंच परिवर्तन' अभियान पर गहन चर्चा होगी, जिसके तहत सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी के उपयोग और नागरिक कर्तव्यों के प्रति समाज में व्यापक जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही संघ देश में जनचेतना लाने वाले महान जननायकों की जयंती भी मनाएगा। इस वर्ष राजनारायण बोस की 200वीं जयंती, स्वामी श्रद्धानंद के बलिदान के 100 वर्ष और वेदांत केसरी लक्ष्मणानंद सरस्वती की जन्मशताब्दी पूरी हो रही है। संघ द्वारा इन सभी पावन अवसरों पर देशभर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।



भंडारी मिल तिराहा, बाणगंगा और जंजीरवाला चौराहे पर लगा भारी जाम

इंदौर के बाजारों में दीवाली की खरीदारी का दिखा उफान

मृदुभाषी। इंदौर

प्रकाश के महापर्व दीपावली के त्योहार को लेकर इंदौर शहर के बाजारों में खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। सोमवार को दीपावली की तैयारियों और आवश्यक वस्तुओं की खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोग अपने घरों से बाहर निकले, जिसके चलते शहर के प्रमुख व्यावसायिक बाजारों और उनसे जुड़े संपर्क मार्गों पर यातायात का अत्यधिक दबाव देखने को मिला। स्थिति यह रही कि पोलो ग्राउंड, बाणगंगा, भंडारी मिल तिराहा और जंजीरवाला चौराहे सहित कई प्रमुख इलाकों में दिनभर भारी जाम की स्थिति बनी रही, जहां वाहन रेंग-रेंग कर चलते नजर आए।

त्योहार नजदीक आते ही लोग कपड़े, सजावटी सामान, पूजन सामग्री, मिठाइयों और इलेक्ट्रॉनिक्स सहित अन्य जरूरी वस्तुओं की खरीदारी के लिए शहर के मुख्य बाजारों का रुख कर रहे हैं। आवागमन वाले क्षेत्रों में वाहनों की अचानक बढ़ी संख्या के कारण पोलो ग्राउंड और बाणगंगा क्षेत्र में यातायात की रफ्तार बेहद धीमी पड़ गई। वहीं, भंडारी मिल तिराहे पर वाहनों की सुचारू आवाजाही बुरी तरह प्रभावित रही। जंजीरवाला चौराहे पर भी चारों दिशाओं से आने वाले वाहनों के दबाव के कारण रह-रहकर ट्रैफिक रुकता रहा। सड़कों पर कई किलोमीटर लंबी वाहनों की कतारें देखने को मिलीं, जिससे वाहन चालकों के साथ-साथ आम राहगीरों और पैदल चलने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। लोगों को चंद मिनटों की मामूली दूरी तय करने में भी काफी समय लग गया। विशेष रूप से सोमवार शाम के समय जब कामकाजी लोग और परिवार खरीदारी के लिए निकले, तो बाजारों के आसपास की सड़कों पर वाहनों का दबाव अपने चरम पर पहुंच गया। शहर के सबसे व्यस्त भंडारी मिल तिराहे पर देर शाम तक भारी यातायात का दबाव देखा गया। मुख्य सड़कों पर दोपहिया वाहन, ई-रिक्शा, चौपहिया कारें और माल व दुकानों के सामान से लदे छोटे-बड़े ट्रक कतारबद्ध होकर खड़े रहे। आने वाले दिनों में दीपावली का त्योहार और निकट आने के साथ ही बाजारों में ग्राहकों की आवक और अधिक बढ़ने की पूरी संभावना है, जिसे देखते हुए शहर की यातायात व्यवस्था को संभालना प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो रहा है।



6 लाख से अधिक लोगों ने लिया आनंद

इंदौर में तीन दिवसीय मराठी जत्रा का समापन

मृदुभाषी। इंदौर

शहर के गांधी हॉल परिसर में आयोजित तीन दिवसीय 'मराठी जत्रा' का रविवार को शानदार समापन हुआ। इस तीन दिवसीय मेले में इंदौरवासियों का भारी उत्साह देखने को मिला और लगभग छह लाख से अधिक लोगों ने इसमें शिरकत की। आयोजन की खास बात यह रही कि इसमें दादा-दादी से लेकर बच्चों तक, परिवार की तीन पीढ़ियां एक साथ मराठी संस्कृति और स्वाद का लुत्फ उठाने पहुंचीं।

मराठी सोशल ग्रुप ट्रस्ट के अध्यक्ष सुधीर दांडेकर ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी गृहिणियों को मंच देते हुए पारंपरिक मराठी व्यंजनों के 46-47 स्टॉल लगाए गए थे। परिसर में आए लोगों ने पूरण पोली, गुड़ रोटी, उकड़ीचे मोदक, झुणका भाकर, भाकरवड़ी और सोलकढ़ी जैसे प्रसिद्ध मराठी व्यंजनों का जमकर स्वाद लिया। स्वाद के साथ-साथ मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी धूम रही। मुंबई के प्रसिद्ध 'कला रंजना ग्रुप' ने तीनों दिन लावणी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अलावा परिसर में हैंडलूम, हस्तशिल्प और दीपावली की सजावटी वस्तुओं के स्टॉल लगाए गए थे, जहां विशेष छूट भी दी जा रही थी। इस ट्रेड फेयर का मुख्य उद्देश्य घरेलू स्तर पर तैयार उत्पादों को एक बड़ा बाजार उपलब्ध कराना और हस्तशिल्प उद्योग को बढ़ावा देना था। जत्रा में पहुंचे आगंतुकों ने आयोजन की जमकर सराहना की। तीन साल पहले इंदौर में शिफ्ट हुई आकांक्षा अग्रवाल और उनके परिवार ने बताया कि वे बीते तीन वर्षों से लगातार हर बार जत्रा में आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की संस्कृति को करीब से जानने और पारंपरिक स्वाद का आनंद लेने के लिए यह सबसे बेहतरीन मंच है। परिवार के सदस्यों ने बताया कि कोथिंबीर वड़ी, बटाटा वड़ा और वड़ा पाव उनके पसंदीदा व्यंजन हैं और वे हर साल इसका बेसब्री से इंतजार करते हैं।

हिमाचल प्रदेश के कोकसर में सड़क हादसा

इंदौर के हिमालया पब्लिक स्कूल के बच्चों से भरा टेंपो ट्रैवलर पलटा

मृदुभाषी। इंदौर

हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिले में कोकसर के पास सोमवार को एक बड़ा हादसा सामने आया, जहां पर्यटकों से भरा एक टेंपो ट्रैवलर अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे पलट गया। इस दुर्घटना में 7 स्कूली बच्चों और एक शिक्षक को चोटें आई हैं। वाहन में मध्य प्रदेश के इंदौर स्थित हिमालया पब्लिक स्कूल के 11 छात्र, एक शिक्षक और चालक सवार थे। राहत की बात यह रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई और सभी घायल खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं।

सोमवार दोपहर बाद टेंपो ट्रैवलर (क्रमांक HP01K9878) मनाली से रोहतांग दर्रा होकर कोकसर के रास्ते अटल टनल की ओर जा रहा था। इसी दौरान गढ़बोर में गर्ग एंड गर्ग कंपनी के प्लांट के समीप चालक वाहन से अपना नियंत्रण खो बैठा, जिससे वाहन सड़क से नीचे उतरकर पलट गया। हादसे के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, जिसके बाद स्थानीय लोगों और कोकसर पुलिस चौकी की टीम ने मौके पर पहुंचकर त्वरित राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। दुर्घटना के शिकार सभी घायलों को तुरंत एंबुलेंस और स्थानीय वाहनों की मदद से नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। इनमें से कुछ घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए पीएचसी सिस्सू भेजा गया है, जबकि अन्य को बेहतर इलाज के लिए मनाली अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टर निरंतर उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। केलांग के डीएसपी केडी शर्मा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस को सूचना मिलते ही कोकसर चौकी प्रभारी एएसआई श्याम लाल के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंच गई थी।



कर्मचारियों को 31 दिसंबर तक चुकाने होंगे बकाया

इंदौर। इंदौर नगर निगम ने अपने बकाया राजस्व की वसूली को लेकर एक कड़ा और बड़ा कदम उठाया है। नगर निगम के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अब आगामी 31 दिसंबर 2026 तक अपने सभी प्रकार के बकाया कर और शुल्क अनिवार्य रूप से जमा करने होंगे। इस दायरे में संपत्तिकर, जलकर, कचरा प्रबंधन शुल्क और यूजर चार्ज सहित निगम के सभी देय कर शामिल किए गए हैं। यह आदेश केवल नियमित कर्मचारियों के लिए ही नहीं, बल्कि मस्टर, विनियमित और आउटसोर्स एजेंसियों के माध्यम से कार्यरत सभी कर्मचारियों पर समान रूप से लागू होगा। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, कर्मचारियों को केवल अपने ही नहीं, बल्कि अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर नगर निगम सीमा में स्थित सभी कर योग्य संपत्तियों का बकाया भी निर्धारित समय-सीमा के भीतर जमा करना होगा। कर एवं शुल्क जमा करने के उपरांत सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को भुगतान की रसीद व प्रमाण के साथ अपना आवेदन संबंधित विभाग प्रमुख को सौंपना अनिवार्य किया गया है। विभाग प्रमुखों को अपने-अपने विभागों में शत-प्रतिशत कर्मचारियों से टैक्स जमा कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनवरी 2027 में वेतन जारी होने से पहले सभी विभाग प्रमुखों को अपने कर्मचारियों की सूची और अनुपालन प्रतिवेदन (एनओसी) निगम की लेखा शाखा में प्रस्तुत करना होगा।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक/विक्रेता श्री संजय कुमार सुगंधीलाल सराफ, इन्दौर, खाता क्र. 1004078935 झोन क्र. 19 क्रेता का नाम श्री सुधा चौरे पुत्र मनोज चौरे। सम्पत्ति का पता- 02, विलास शालीमार पाम्स। इस जाहिर सूचना प्रकाशन 03.11.2026 से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 19 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 19 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है विक्रेता **श्रीमती शोभा डाबी पति श्री मदनलाल डाबी** पता 262 सिद्धांत पार्क, तलाबली चांदा इंदौर, पिन 1004058459, झोन क्र. 22 विक्रयपत्र अनुसार इस जाहिर सूचना प्रकाशन 03.11.2026 से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 22 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 22 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है विक्रेता **श्रीमती अर्चना यादव पति श्री रमेश यादव** पता 212 सिद्धांत पार्क, तलाबली चांदा इंदौर, पिन 1004058459, झोन क्र. 22 विक्रयपत्र अनुसार इस जाहिर सूचना प्रकाशन 03.11.2026 से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 22 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 22 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/विक्रेता **श्रीमती विद्या शर्मा पति कृष्ण गोपाल शर्मा** के द्वारा झोन क्रमांक 84 राजस्व विभाग पर आवेदन प्रस्तुत कर 61-ए, पैकी उत्तर दिशा का भाग, द्वारिकापुरी इन्दौर के नाम पर दर्ज संपत्ति का नामांतरण क्रेता **श्रीमती तेजू बाई पति विक्रम बोरदिया** के नाम पर चाहा गया है। पिन नं. 1001220526 इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक 03.11.2026 से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी व्यक्ति, वित्त संस्था, बैंक, निकाय को आपत्ति हो तो झोन क्र. 14 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

राजेंद्र धारकर झोन, झोन क्रमांक 14 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक **श्रीमती कृष्णा पति रामगोपाल मांडलीया** पता 35, सिल्वर स्टार सिटी क्राउन, इंदौर, पिन 2000121742, झोन क्र. 21 विक्रयपत्र अनुसार इस जाहिर सूचना प्रकाशन 03.11.2026 से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 21 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 21 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। **श्री रामकरण पिता श्री रामराज यादव** पिन 1000997814 पैकी भाग, झोन क्र. 08। पता 18, अम्बिका नगर, इंदौर इस जाहिर सूचना प्रकाशन 03.11.2026 से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 08 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, शहीद चन्द्रशेखर आजाद झोन क्रमांक 08 नगर पालिका निगम इंदौर

इंदौर में सरेंडर करना होगा नल कनेक्शनः SOP जारी

मृदुभाषी। इंदौर

इंदौर शहर में जिन उपभोक्ताओं को अब अपने नल कनेक्शन की आवश्यकता नहीं है, उन्हें इसे बंद कराने के लिए अब एक तय और पारदर्शी प्रक्रिया से गुजरना होगा। नगर निगम ने जल कनेक्शन हटाने और उपभोक्ता का खाता स्थायी रूप से बंद करने के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (SOP) लागू कर दी है। इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य कनेक्शन काटने के बाद भी बार-बार बिल जारी होने की शिकायतों को खत्म करना और समय-सीमा के भीतर समस्याओं का स्थायी निराकरण करना है।



नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल के निर्देश पर तैयार इस SOP के अनुसार, उपभोक्ता को सबसे पहले अपने संबंधित क्षेत्र के सहायक यंत्री (AE) के समक्ष लिखित आवेदन जमा करना होगा। इस आवेदन में उपभोक्ता की कंज्यूमर आईडी, नाम, जल कनेक्शन का पूरा पता, मोबाइल नंबर और कनेक्शन बंद कराने की वजह दर्ज करना अनिवार्य होगा। प्रतिवेदन मिलने पर एआरओ 150 रुपये की निर्धारित रसीद काटकर पूरे मामले की फाइल निगम मुख्यालय भेजेंगे, जहां से उपभोक्ता का खाता हमेशा के लिए बंद कर दिया जाएगा। निगम अधिकारियों के अनुसार शुल्क जमा होने के बाद अधिकतम 30 दिनों के भीतर खाता बंद करने की पूरी कार्रवाई करना अनिवार्य रहेगा। SOP में यह भी स्पष्ट किया गया है कि सिर्फ आवेदन जमा कर देने से बिलिंग बंद नहीं होगी। जब तक फिजिकली नल कनेक्शन हटा नहीं दिया जाता, तब तक का बिल उपभोक्ता को देना होगा। निगम प्रशासन ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि सभी आवेदनों का निराकरण तय समय-सीमा में किया जाए, ताकि आम लोगों को बार-बार दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें।

10 दिन में मिलेगा एस्टीमेट, भुगतान के बाद कटेगा कनेक्शनः आवेदन प्राप्त होने के बाद सहायक यंत्री उपभोक्ता के बकाया जलकर और अन्य बकायों की जांच करेंगे। इसके बाद कनेक्शन काटने में आने वाले तकनीकी खर्च का एस्टीमेट तैयार किया जाएगा। नगर निगम ने आवेदन मिलने के अधिकतम 10 दिन के भीतर बकाया राशि और डिस्कनेक्शन शुल्क का एस्टीमेट उपभोक्ता को उपलब्ध कराने की समय-सीमा तय की है। उपभोक्ता द्वारा बकाया बिल और निर्धारित शुल्क जमा करने के बाद ही संबंधित अमला मौके पर जाकर फिजिकली कनेक्शन हटाएगा। प्रक्रिया पूरी होते ही सहायक यंत्री प्रतिवेदन बनाकर एआरओ (ARO) को भेजेंगे।

छठ पूजा-त्योहारों पर रेलवे की सौगात



मृदुभाषी। रतलाम

छठ पूजा एवं आगामी त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ और अतिरिक्त यात्री दबाव को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे द्वारा एक महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है। रेलवे 09 नवंबर 2026 से गोरखपुर से बांद्रा टर्मिनस के मध्य साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का संचालन करने जा रहा है।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में दो-दो फेरे लगाएगी, जिससे उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के हजारों यात्रियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। पश्चिम रेलवे के रतलाम रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, ट्रेन संख्या 05091 गोरखपुर–बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 09 और 16 नवंबर 2026 (प्रत्येक सोमवार) को गोरखपुर से रात 21.55 बजे प्रस्थान करेगी और 11 व 18 नवंबर (बुधवार) को दोपहर 12.00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। रतलाम रेलवे स्टेशन पर इस ट्रेन का आगमन व प्रस्थान मंगलवार रात (10 व 17 नवंबर) को 22.25/22.30 बजे रहेगा। वापसी में, ट्रेन संख्या 05092 बांद्रा टर्मिनस–गोरखपुर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 11 एवं 18 नवंबर 2026 (प्रत्येक बुधवार) को बांद्रा टर्मिनस से दोपहर 13.45 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन गुरुवार (12 व 19 नवंबर) को रात 23.55 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। रतलाम स्टेशन पर यह ट्रेन बुधवार रात 23.30/23.35 बजे पहुंचेगी। यह स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं में महाराष्ट्र के बोरीवली, गुजरात के वापी, सूरत, वडोदरा, मध्य प्रदेश के रतलाम, राजस्थान के भवानी मंडी, कोटा, गंगापुर सिटी, उत्तर प्रदेश के ईदगाह आगरा, टुंडला, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बादशाहनगर, गोंडा और बस्ती स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर (शयनयान) एवं द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे शामिल रहेंगे। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा शुरू करने से पूर्व ट्रेनों के ठहराव, समय और वास्तविक स्थिति की विस्तृत जानकारी के लिए भारतीय रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in या RailOne ऐप का अवश्य उपयोग करें।

धीरेंद्र शास्त्री के राम-कृष्ण वाले बयान पर गरमाई सियासत

विवाद बढ़ते ही बाबा बागेश्वर ने मांगी माफी

मृदुभाषी। भोपाल

देश के चर्चित कथावाचक और बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री अपने बयानों के चलते एक बार फिर सुर्खियों में आ गए हैं। शिवपुरी जिले के करैरा में चल रही श्रीराम कथा के दौरान भगवान राम और श्रीकृष्ण की तुलना को लेकर ऐसा बयान सामने आया, जिस पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया। हालांकि, बढ़ते विरोध और तूल पकड़ते मामले को देख धीरेंद्र शास्त्री ने तुरंत अपनी सफाई देते हुए माफी भी मांग ली है।

बीते 29 अक्टूबर को करैरा में कथा के दौरान पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने राम और कृष्ण की लीलाओं व स्वरूप का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था, 'हमारे राम सीधे हैं, तुम्हारे कृष्ण टेढ़े। तुम्हारे ठाकुर जी का नाम भी टेढ़ा, चलना भी टेढ़ा और खड़े भी तीन जगह से टेढ़े होते हैं।' भगवान कृष्ण की लीलाओं पर बात करते हुए उन्होंने आगे कहा कि बांसुरी बजाना या गाय चराना कोई बड़ी बात नहीं है, इसे कलाकार भी कर लेते हैं। वहीं हनुमान जी का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, 'तुम्हारे वाले (कृष्ण भक्त) पर्वत उठा लेते हैं, इसमें क्या बड़ी बात



है, हमारे भगवान (राम) के चेले (हनुमान जी) ने तो पूरा पर्वत ही उड़ा दिया था।' उनका इशारा संजीवनी बूटी के लिए द्रोणगिरि पर्वत उठाकर लाने वाले हनुमान जी की ओर था। हालांकि, बयान के अंत में उन्होंने यह भी जोड़ा था कि इसका मतलब यह नहीं है कि वे भगवान कृष्ण के विरोधी हैं।

विवाद बढ़ा तो मांगी माफी

मामले को तूल पकड़ते देख और चौतरफा विरोध शुरू होने पर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने इस पर सफाई दी और सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके भाव को पूरी तरह गलत समझा गया है। वे खुद ठाकुर जी के अनन्य भक्त हैं और भागवत कथा के दौरान निरंतर उनका गुणगान करते हैं। उन्होंने कहा कि वे मंच पर किसी संत के एक प्रचलित पद की व्याख्या कर रहे थे, जिसमें विनोद में कही गई बातों का लोगों ने 'अर्थ का अनर्थ' बना दिया। धार्मिक कथाओं के दौरान देवी-देवताओं पर टिप्पणियों का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले जून 2024 में कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा राधारानी को लेकर दिए गए एक बयान पर भी भारी विवाद हुआ था, जिसके बाद उन्हें बरसाना जाकर माफी मांगनी पड़ी थी। बहरहाल, धीरेंद्र शास्त्री के माफी मांगने के बाद अब इस मामले के शांत होने की उम्मीद जताई जा रही है।

यादव समाज और भक्तों में फूटा गुस्सा

पंडित शास्त्री के इस बयान के सामने आते ही सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं शुरू हो गई हैं। भगवान श्रीकृष्ण के भक्तों और यादव समाज के लोगों ने इस टिप्पणी पर कड़ी नाराजगी जताई। लोगों का कहना है कि श्रीराम और श्रीकृष्ण दोनों ही सनातन धर्म के परम आराध्य हैं और दोनों की तुलना करना उचित नहीं है। शिवपुरी के यादव समाज के प्रतिनिधि रामकुमार यादव ने कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के बारे में ऐसी टिप्पणी करने वाले का पूरे समाज को विरोध करना चाहिए। उन्होंने मांग की कि ऐसे वक्ता की कथाओं पर रोक लगनी चाहिए और आयोजनकर्ताओं के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए।

भोपाल में भाजपा की पदयात्रा पर सियासत

कांग्रेस ने जताया विरोध, व्यापार प्रभावित होने का हवाला देकर रूट बदलने की मांग

मृदुभाषी। भोपाल

धनतेरस और दीपावली के त्योहार से ठीक पहले राजधानी भोपाल में भारतीय जनता पार्टी की प्रस्तावित पदयात्रा को लेकर राजनीतिक और व्यावसायिक हलकों में विवाद खड़ा हो गया है। आगामी 4 नवंबर को अटल पथ से रोशनपुरा चौराहे तक निकाली जाने वाली इस पदयात्रा पर कांग्रेस ने कड़ा ऐतराज जताया है।

कांग्रेस नेता अभिनव बरोलिया माली ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष को पत्र लिखकर पदयात्रा को स्थगित करने या फिर उसका रूट बदलने की पुरजोर मांग की है। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया है कि पदयात्रा के अगले ही दिन धनतेरस का बड़ा त्योहार है, जिसके चलते न्यू मार्केट, जवाहर चौक और पुराने भोपाल के व्यावसायिक इलाकों में खरीदारी के लिए आम लोगों की भारी भीड़ उमड़ेगी। ऐसे में यदि मुख्य मार्ग पर राजनीतिक पदयात्रा निकाली जाती है, तो भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति निर्मित हो जाएगी और ग्राहकों का बाजारों तक पहुंचना बेहद मुश्किल हो जाएगा। पत्र में इस बात पर जोर दिया गया है कि धनतेरस और दीपावली का समय स्थानीय व्यापारियों के लिए साल का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण कारोबारी अवसर



होता है। त्योहारों के दौरान इन क्षेत्रों में पहले से ही यातायात का अत्यधिक दबाव रहता है। ऐसे में यदि सड़कों पर आवाजाही बाधित होती है, तो इसका सीधा असर आम जनता की सुविधा और दुकानदारों के व्यापार पर पड़ेगा। उन्होंने भाजपा नेतृत्व से आग्रह किया है कि राजनीतिक आयोजनों की तुलना में आम जनता की सहूलियत और व्यापारियों के हितों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसके साथ ही पत्र में अतीत का हवाला देते हुए याद दिलाया गया है कि जब दिल्ली में कांग्रेस के प्रदर्शनों के दौरान रास्ते बंद हुए थे, तब भाजपा और व्यापारी संगठनों ने जाम और व्यापार प्रभावित होने का मुद्दा उठाया था। अब भोपाल में ठीक वैसी ही स्थिति बनने की आशंका जताते हुए कांग्रेस ने पदयात्रा का स्थान बदलने की मांग रखी है।

भोपाल में दिल दहला देने वाला कांड

एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत, 4 की गला रेतकर हत्या

मृदुभाषी। भोपाल



राजधानी भोपाल के छोला थाना क्षेत्र स्थित मालीखेड़ी में सोमवार को एक सनसनीखेज और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक ही परिवार के चार सदस्यों के शव घर के भीतर संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। प्राथमिक पुलिस जांच में चारों सदस्यों की धारदार हथियार से गला रेतकर बेरहमी से हत्या किए जाने की आशंका जताई गई है। वहीं, घटना के कुछ ही समय बाद परिवार के मुखिया का शव सूखी सेवनिया थाना क्षेत्र के चोपड़ा कलां में रेलवे ट्रैक पर मिलने से सनसनी और बढ़ गई।

मृतकों की पहचान नरेंद्र साहू (35), उनकी मां सरस्वती साहू (50), पत्नी सोमलता साहू (29), बेटी कृति साहू (10) और मासूम बेटे खुश साहू (6) के रूप में हुई है। नरेंद्र की मां, पत्नी और दोनों बच्चों के शव मालीखेड़ी स्थित उनके निवास पर मिले, जिनके गले पर गहरे जख्म के निशान थे। वहीं, नरेंद्र का शव रेलवे ट्रैक पर मिलने के बाद पुलिस को शुरुआती आशंका है कि नरेंद्र ने अज्ञात कारणों के चलते पहले अपनी मां, पत्नी और दोनों बच्चों की हत्या की और उसके बाद चोपड़ा कलां में ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, फॉरेंसिक टीम और स्थानीय पुलिस बल दोनों घटनास्थलों पर पहुंचे और जांच-पड़ताल शुरू की। फिलहाल इस दर्दनाक वारदात के पीछे की असली वजह का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस पारिवारिक स्थिति, आपसी विवाद, आर्थिक तंगी सहित सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर साक्ष्य जुटा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने व जांच आगे बढ़ने के बाद ही मौतों की वास्तविक परिस्थितियों की स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।



वीर भारत फैलोशिप शुरू करेगी सरकार

मृदुभाषी। भोपाल

मध्यप्रदेश में भारतीय इतिहास, संस्कृति और समृद्ध विरासत पर शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने 'वीर भारत फैलोशिप' शुरू करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में सोमवार को मंत्रालय में आयोजित वीर भारत न्यास की कार्यसमिति की बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।

फैलोशिप योजना के तहत हर साल दो अध्येताओं का चयन किया जाएगा, जिन्हें एक-एक वर्ष की अवधि के लिए 12-12 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। इस फैलोशिप के माध्यम से प्राचीन काल से लेकर आधुनिक भारत तक के इतिहास, राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले चिंतकों, कलाकारों और वैज्ञानिकों के कार्यों के साथ-साथ देश और प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर पर शोध को प्रोत्साहित किया जाएगा। बैठक में दो अन्य बड़ी परियोजनाओं को भी मंजूरी दी गई। उज्जैन के ऐतिहासिक कोठी महल में 'वीर भारत संग्रहालय' का निर्माण किया जाएगा। इसमें भारत के गौरवशाली इतिहास और वीरता को केवल युद्ध या शौर्य तक सीमित न रखकर ऋषियों, शिक्षकों, गणितज्ञों, समाज सुधारकों और विधि निर्माताओं के योगदान को भी प्रदर्शित किया जाएगा। वहीं, बैतूल में केंद्र सरकार के सहयोग से 'आरण्यक युगयुगीन जनजातीय संग्रहालय' स्थापित होगा, जिसमें जनजातीय इतिहास गैलरी, स्वतंत्रता आंदोलन प्रदर्शनी, शोध केंद्र और डिजिटल रिपॉजिटरी तैयार की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत की आंतरिक शक्ति और उसकी विचार परंपरा से दुनिया को परिचित कराना अत्यंत आवश्यक है। वीर भारत न्यास का मुख्य उद्देश्य आम जनता को देश के पराक्रमी अतीत से जोड़ना है।

सरकारी स्कूल का छात्र बना ग्लोबल स्टार

मृदुभाषी। भोपाल

भोपाल के एक सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले 11वीं के छात्र ने अपनी छोटी-सी पहल को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिला दी है। गौरैया को बचाने के लिए शुरू किया गया उसका प्रयास अब श्रीलंका के 50 हजार विद्यार्थियों के सामने उदाहरण के तौर पर पेश किया जाएगा। श्रीलंका में आयोजित स्टेप ग्लोबल समिट-2026 में प्रसन्न शर्मा ने अपने शोध की मौखिक प्रस्तुति दी और 80 शोध प्रस्तुतियों में शीर्ष तीन में जगह बनाकर तीसरा स्थान हासिल किया। वह सम्मेलन में सबसे कम उम्र के प्रतिभागी थे। खास बात यह है कि प्रसन्न शर्मा ने यह उपलब्धि किसी बड़े संस्थान में नहीं, बल्कि भोपाल के शासकीय संदीपनी महात्मा गांधी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पढ़ते हुए हासिल की है। कोलंबो की होराइजन यूनिवर्सिटी में आयोजित सम्मेलन में प्रसन्न ने फ्रॉम क्लासरूम टू कम्युनिटी अर्बन कंजर्वेशन ऑफ स्पैरोज थ्रू प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग विषय पर शोध प्रस्तुत किया। इसमें उन्होंने बताया कि किस तरह स्कूली पढ़ाई को सामुदायिक भागीदारी से जोड़कर शहरों में गौरैया संरक्षण का प्रभावी मॉडल तैयार किया जा सकता है। उनकी प्रस्तुति को निर्णायक मंडल ने शीर्ष तीन में



शामिल किया और बेस्ट ओरल प्रेजेंटेशन अवॉर्ड से सम्मानित किया। प्रसन्न की इस उपलब्धि के पीछे केवल शोध पत्र नहीं, बल्कि जमीन पर किया गया दो साल का काम है। शिक्षिका डॉ. अर्चना शुक्ला के मार्गदर्शन में प्रसन्न ने नौवीं कक्षा में रहते हुए गौरैया संरक्षण की गतिविधियों से जुड़ना शुरू किया था। इसके लिए भोपाल के अवधपुरी क्षेत्र को अध्ययन क्षेत्र बनाया गया। यहां अलग-अलग मंदिरों में विद्यार्थियों ने खुद नेस्ट बॉक्स यानी घोंसलों के डिब्बे तैयार कर लगाए। प्रसन्न लगातार इन बॉक्स की निगरानी करते रहे। उन्होंने अध्ययन किया कि कितने बॉक्स में गौरैया पहुंच रही हैं, कितने इस्तेमाल नहीं हो रहे और संरक्षण की व्यवस्था में क्या सुधार किया जा सकता है। इस अध्ययन में 86 प्रतिशत नेस्ट बॉक्स अपनाए गए, जबकि 14 प्रतिशत का परिणाम अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा। इसी अनुभव और आंकड़ों को उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर शोध के रूप में प्रस्तुत किया।

इंदौर में उमड़ी आस्था, संस्कार और भावुक पलों का महाकुंभ

600 बच्चों ने किए माता-पिता के चरण स्पर्श

मृदुभाषी। इंदौर

एयरपोर्ट रोड स्थित नरसिंह वाटिका इन दिनों अद्भुत पारिवारिक संस्कारों और अगाध श्रद्धा का केंद्र बनी हुई थी। मौका था श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ ट्रस्ट महावीर भवन के तत्वावधान में आयोजित भव्य 'मातृ-पितृ चरण वंदन महोत्सव' का। इस अनूठे आयोजन में लगभग 600 बच्चों ने अपने माता-पिता के चरणों में झुककर श्रद्धा, भक्ति और कृतज्ञता का जो अनूठा पाठ पढ़ाया, उसने वहां मौजूद हर आंख को नम और दिल को गदगद कर दिया।

कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा परम पूज्य अनुष्ठान आराधिका डॉ. कुमुदलता जी म.सा. आदि ठाणा-4 के पावन सान्निध्य और मार्गदर्शन में रची गई। जिनेश्वर जैन ने पूरी



विधि-विधान के साथ बच्चों से चरण प्रक्षालन करवाया। बच्चों ने अपने हाथों से माता-पिता के चरण धोए, माथे पर तिलक लगाया, मोती की माला पहनाई और भावभीनी वंदना कर आशीर्वाद लिया। माता-पिता और संतान के बीच स्नेह और समर्पण के इस पवित्र दृश्य ने पूरे पंडाल को भक्तिमय बना दिया। इस विशाल आयोजन के दौरान पिछले चार महीनों से चल रही कुमुद संस्कार शाला के समापन की घोषणा भी की गई। इस चार महीने की अवधि में हजारों बच्चों ने धर्म, नीति और जीवन-मूल्यों की शिक्षा प्राप्त की। इस पूरी पाठशाला के सफल संचालन में साध्वी राजकीर्ति जी म.सा. का विशेष और समर्पित श्रम रहा। सभा को संबोधित करते हुए डॉ. कुमुदलता जी महाराज ने कहा कि माता-पिता केवल जन्म देने वाले तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे



जीवन के प्रथम गुरु और सबसे बड़े मार्गदर्शक हैं। उनके त्याग के प्रति सम्मान जताना हर संतान का परम कर्तव्य है। इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य आधुनिक शिक्षा की दौड़ के बीच बच्चों में बचपन से ही सेवा, विनम्रता और उच्च संस्कारों का बीज बोना था। इस पुण्य आयोजन के मुख्य लाभार्थी महेन्द्र नमकीन परिवार (महेन्द्र गणगौर जैन) रहे।

दिग्गजों की मौजूदगी और समापन संदेश

कार्यक्रम के अंत में यह कड़ा संदेश दिया गया कि किताबी शिक्षा मनुष्य को केवल सफल बनाती है, जबकि जीवन के नैतिक मूल्य उसे एक श्रेष्ठ इंसान बनाते हैं। संघ के महामंत्री रमेश भण्डारी ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस गरिमामयी समारोह में प्रकाश भटेवरा, राजकुमार जैन, कपिल जैन, गजेंद्र बोडाना, राजेंद्र चोरड़िया, विमल तातेड, अभिषेक नाहर, गजेंद्र तातेड, प्रदीप रूनवाल, राकेश बिंदु मेहता सहित पूर्व कैबिनेट मंत्री सत्यनारायण जटीया विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन प्रकाश भटेवरा ने किया।

कूनो में चीता सुरक्षा में लापरवाही 2024 के नोटिस पर कार्रवाई नहीं

मृदुभाषी। भोपाल

कूनो नेशनल पार्क में चीते की शिकार की घटना के बाद अब प्रोजेक्ट चीता की निगरानी और प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। वन्यजीव कार्यकर्ता अजय दुबे ने राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) से कूनो प्रबंधन में कथित लापरवाही और सुरक्षा संबंधी खामियों की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है। उन्होंने फील्ड डायरेक्टर उत्तम कुमार शर्मा पर वर्ष 2024 में जारी सरकारी नोटिस का जवाब नहीं देने का आरोप लगाया है। साथ ही तत्कालीन पीसीसीएफ (वाइल्डलाइफ) और वर्तमान हेड ऑफ फॉरेस्ट फोर्स शुभरंजन सेन की भूमिका की भी जांच की मांग की है। 30 अक्टूबर 2026 को भेजी गई पिछली शिकायत के क्रम में दिए गए इस



प्रतिवेदन में दुबे ने 5 सितंबर 2024 को तत्कालीन प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक की ओर से जारी दो पत्रों का हवाला दिया है। इनमें पत्र क्रमांक प्रबंध/2024/1/7769 और प्रबंध/2024/7785 शामिल हैं। उनके मुताबिक, इन पत्रों में चीतों की निगरानी और प्रबंधन से जुड़ी गंभीर कमियां सामने आई थीं।

सम्पादकीय

घातक हिंसक खेलों से उपजी संवेदनहीनता

सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में एक आठ साल का बच्चा, छह साल की बच्ची को क्रूरता के साथ पीटता-कुचलता नजर आया। पंचकूला के एक निजी स्कूल में घटी इस घटना ने हर संवेदनशील इंसान को झकझोरा है। स्कूली छात्रों में नोक-झोंक, वाद-विवाद, मतभेद-मनभेद हमेशा होते रहे हैं। ऐसे में टीचर या अभिभावक तक शिकायत करके बात खत्म हो जाती थी। लेकिन यह आठ साल का बच्चा, जिस क्रूरता से केजी की बच्ची को खत्म करने की कोशिश में लगा था, उसने हमारे नीति-नियंताओं, शिक्षकों, अभिभावकों और आम लोगों तक को स्तब्ध कर दिया। बच्चे ने इस हमले को सुनियोजित तरीके से, समय-जगह का चुनाव करके अंजाम दिया। वह समय चुना जब उसके अपराध को देखने वाला कोई नहीं था। विज्ञान का धन्यवाद, जिसने सीसीटीवी कैमरा हमें उपलब्ध कराया। अन्यथा कोई विश्वास नहीं करता कि इतना छोटा बच्चा एक पेशेवर अपराधी की तरह वारदात को अंजाम देगा। हो सकता था रिकॉर्डिंग न होने पर किसी निर्दोष के सिर इस हमले का आरोप लग जाता। निस्संदेह, इस हादसे में स्कूल प्रशासन की गंभीर चूक है। आखिर स्कूल से अंतिम बच्चे के बाहर निकलने तक सुरक्षा की जिम्मेदारी क्यों नहीं निभायी गई? अब स्कूल पढ़ने जा रही छोटी बच्चियों व बच्चों के मां-बाप इस घटना से भयाक्रांत हैं कि क्या उनका बच्चा स्कूल में सुरक्षित है? शिक्षकों को भी इस बात को गंभीरता से समझना होगा कि बदलते दौर में बच्चे पहले जैसे नहीं रहे। शिक्षक-अभिभावक से ज्यादा उन्हें आज जो सबसे ज्यादा ज्ञान बांट रहा है, वह मोबाइल है। जो तमाम तरह की हिंसा सिखाने का स्रोत बन गया है।



इस घटना के बाद, इस आठ साल के छात्र की क्रूर व्यवहार की वजह उसका मोबाइल पर हिंसक फ्री-फायर गेम खेलना बताया जा रहा है। जो एक ऑनलाइन एक्शन व शूटिंग आधारित गेम है। जिसमें खिलाड़ी हथियार, गोलियों और अन्य घातक साधनों से प्रतिद्वंद्वी का मुकाबला करते हैं। हमें इस बात को स्वीकार करना होगा कि बच्चों को छोटी उम्र में मोबाइल उपलब्ध कराने के घातक परिणाम भी हो सकते हैं। आमतौर पर अभिभावक अपने काम करने या आराम करने के दौरान बच्चों को बहलाने के लिये मोबाइल पकड़ा देते हैं। लेकिन यह भूल जाते हैं कि इंटरनेट पर प्रसारित होने वाले हिंसक कार्यक्रम बच्चों को कितने गहरे तक प्रभावित करते हैं। बच्चे का दिमाग एक कोरी स्लेट की तरह से होता है। उस पर जैसी छाप बचपन में पड़ती है, वही भविष्य में उसकी सोच व जीवन की दिशा निर्धारित करती है। जिस पश्चिमी संस्कृति व जीवन शैली पर आधारित गेम्स का इन दिनों मोबाइल पर प्रचलन है, वे बच्चों को संवेदनहीन और निर्मम बना रहे हैं। बच्चों में लगातार अधैर्य, अशांति व आक्रामकता बढ़ रही है। बच्चों को ये लगता है कि व्यावहारिक जीवन में भी ऐसा ही व्यवहार सामान्य बात है। बच्चों के व्यवहार में आ रहा यह बदलाव एक घातक संकेत है। हमारे नीति-नियंताओं और शिक्षकों-अभिभावकों को सजग-सतर्क होकर इस संकट के समाधान की दिशा में गंभीर प्रयास करना होगा।

क्रिप्टो की ऐतिहासिक चोरी से उपजे सुरक्षा के सवाल

डॉ. संजय वर्मा

29 अक्तूबर की रात दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंज बाइनेंस से लगभग 6.3 अरब डॉलर (करीब 53 हजार करोड़ रुपये) की डिजिटल संपत्ति कुछ ही मिनटों में उड़ा ली गई। यह क्रिप्टो इतिहास की सबसे बड़ी चोरी है, फरवरी 2025 में बायबिट एक्सचेंज से हुई 1.5 अरब डॉलर की चोरी से चार गुना बड़ी। कहने को तो बाइनेंस ने अपने खजाने, आपात भंडार और बीमा कोष से ग्राहकों के 90 फीसदी नुकसान की भरपाई का दावा किया है। पर यह राहत क्रिप्टो करेंसी के निवेशकों में भरोसा कायम कर पाएगी, इसमें संदेह है। साथ ही, यह घटना भारत के लिए कई सवाल छोड़ जाती है। डिजिटल इंडिया और यूपीआई जैसे अभियानों की बदौलत भारत डिजिटल लेन-देन में दुनिया के अग्रणी देशों में है। यहां लाखों लोग क्रिप्टो में पैसा लगाते हैं। इसलिए क्रिप्टो एक्सचेंज में हुई सेंधमारी एक अनिश्चित भविष्य के मद्देनजर हमारे लिए भी कई सवाल पैदा कर रही है।

अब तक जो जांच-पड़ताल हुई है, उसमें सेंधमारों के बारे में कुछ अंदाजे लगाए गए हैं। जैसे कि ब्लॉकचेन विश्लेषक कंपनियों- टीआरएम लैब्स और चेनालिसिस के मुताबिक इस सेंधमारी के पीछे उत्तर कोरिया की हैकर इकाई 'ट्रेडरट्रेटर' का हाथ है। हैकरों का यह समूह हैकिंग के मामले में पहले से कुख्यात लाजरस समूह से जुड़ा बताया गया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार सेंध बाइनेंस के ही एक इंजीनियर के हैक हुए लैपटॉप से लगी, और फिर महज 20 मिनट में अरबों डॉलर की क्रिप्टो सफाई से निकाल ली गई। यह साबित करता है कि लेन-देन और निवेश जितना डिजिटल होगा, कमजोर कड़ियां उतनी ही महंगी पड़ेंगी। दिलचस्प यह है कि चुराई गई क्रिप्टो को बाजार में खपाना नकदी लूट को खपाने जितना आसान नहीं। ब्लॉकचेन



(क्रिप्टो निर्माण और संचालन में काम आने वाली तकनीक) में हर लेनदेन सार्वजनिक बही-खाते में दर्ज होता है। इसलिए चोर को माल तुरंत छोटे टुकड़ों में बांटना, दूसरी क्रिप्टो करेंसी में बदलना और वैध धन में मिलाना पड़ता है। इसके लिए फर्जी पहचान से कई एक्सचेंजों पर खाते, छोटी-छोटी जमाएं और एक ब्लॉकचेन से दूसरी पर छलांग का सहारा लिया जाता है। यह हथेली पर दहकता अंगारा लेकर, खुद जले बिना, उसे ठिकाने तक पहुंचाने जैसा है। बाइनेंस मामले में भी चुराए गए बिटकॉइन हजार-हजार और सौ-सौ के टुकड़ों में बांटे गए, और डॉलर-आधारित स्टेबलकॉइन विकेंद्रीकृत एक्सचेंजों पर बाजार भाव से दस फीसदी सस्ते बेचे गए। लेकिन इस बीच कई लेन-देन नियंत्रण करने वाली उन कंपनियों के जरिए गुजरे, जो ऐसी हरकतों पर कड़ी नजर रखती हैं। जैसे कि स्टेबलकॉइन जारी करने वाली टेथर, सर्कल और रिपल जैसी कंपनियां। इन कंपनियों ने हैकिंग होने के घंटे भर के भीतर करीब 2.7 अरब डॉलर फ्रीज कर दिए। यानी जहां लेनदेन के बीच कोई जवाबदेह संस्था थी, वहां चोरी रोकी जा सकी। इसके बावजूद हमलावर के पास करीब 2.4 अरब डॉलर के ईथर और बिटकॉइन बचे हैं, जिन्हें कोई वैध या सरकारी एजेंसी नहीं रोक पाई। इसलिए सवाल है कि आखिर क्रिप्टो करेंसी के सारे लेन-देन जवाबदेह संस्थाओं और कंपनियों के जरिए संपन्न क्यों नहीं कराए जा रहे हैं।

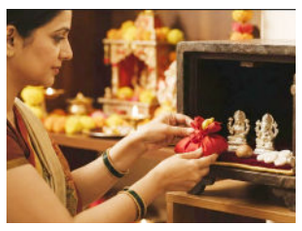
हालांकि, चिंता इससे भी बड़ी है। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञ वर्षों से कहते रहे हैं कि क्रिप्टो चोरी उत्तर कोरिया के प्रतिबंधित हथियार कार्यक्रमों की कमाई का बड़ा जरिया है। यानी किसी एक्सचेंज की सुरक्षा में चूक अंततः किसी मिसाइल कार्यक्रम का ईंधन बन सकती है। पाकिस्तान जैसे अस्थिर पड़ोसी के रहते भारत के लिए यह सुरक्षा का सवाल भी है।

यूं हमारे लिए यह संकट एकदम अनजाना भी नहीं। जुलाई 2024 में घरेलू एक्सचेंज वजीरएक्स से करीब 23 करोड़ डॉलर चुराए गए, और उसके तार भी लाजरस समूह से जोड़े गए। लाखों उपयोगकर्ताओं के खाते महीनों फ्रीज रहे। साथ ही, नुकसान सभी ग्राहकों में बांटने का प्रस्ताव आया और पुनर्गठन की प्रक्रिया भारत के बजाय सिंगापुर की अदालत में चली। भारतीय एक्सचेंज, भारतीय ग्राहक, भारतीय पैसा, पर इंसाफ के लिए विदेशी कानून का सहारा! जुलाई 2025 में देश के सबसे बड़े एक्सचेंज कॉइनडीसीएक्स से करीब 4.4 करोड़ डॉलर उड़ाए गए। कंपनी ने नुकसान अपने खजाने से उठाया और सरकारी एजेंसी सर्ट-इन के साथ जांच की। पर यह कंपनी की सदिच्छा थी, कोई कानूनी बाध्यता नहीं। सबक यह कि भारत में हैकिंग के बाद निवेशक का पैसा लौटना इस पर निर्भर है कि उसका एक्सचेंज कितना अमीर और नेक है। बाइनेंस छह अरब डॉलर का घाव सह सकता है, कोई छोटा भारतीय स्टार्टअप नहीं।

धर्म-ज्योतिष

6 नवंबर को धनतेरस-2026 पर तिजोरी में रखें ये चीजें, दूर होगी पैसों की दिक्कत

धनतेरस पर्व से दीवाली का त्योहार शुरु हो जाता है। हर साल कार्तिक मास कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है। इस दिन मां लक्ष्मी, भगवान कुबेर और धनवंतरी की पूजा करने की परंपरा है। इस बार धनतेरस का पर्व 6 नवंबर 2026, शुक्रवार के दिन है। धनतेरस वाले दिन ज्यादातर लोग मार्केट से सोने-चांदी के आभूषण, नए बर्तन, नई गाड़ियां और तमाम तरह की नई वस्तु खरीदते हैं, जिससे पूरे साल घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। छोटी-मोटी खरीदारी के अलावा भी कई छोटी-छोटी चीजें हैं, जो आपके घर में धन्य-धान्य की तंगी को दूर करने का साथ हमेशा समृद्धि बनाए रखने का कार्य करती है।



सुपारी, गोमती चक्र, हल्दी की गांठ, चांदी के लक्ष्मी और गणेश। धनतेरस के दिन घर में तिजोरी में चांदी के लक्ष्मी-गणेश रखना अत्यंत शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक जिस स्थान पर लक्ष्मी जी वास होता है, वहां कभी भी पैसों की तंगी, कर्ज या समृद्धि में कमी नहीं होती है।

समसामयिक

आम आदमी की पहुंच में होना चाहिए इलाज

आज़ादी के बाद देश ने चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। निजी क्षेत्र की कई पांच सितारा अस्पताल शृंखलाएं विश्व के सर्वोत्तम चिकित्सा मानकों का मुकाबला करने में सक्षम हैं। तभी विदेशों में समय पर और त्वरित चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध न होने के कारण विदेशी रोगी भी भारत में इलाज कराने के लिए आ रहे हैं। अब चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्र में एक नया आयाम उभर रहा है।



पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने चिकित्सा क्षेत्र में सेवा और दवा की ऊंची कीमतों पर सवाल उठाए। दरअसल, भारत का सार्वजनिक चिकित्सा क्षेत्र अपनी विशेषज्ञता या उचित दवाओं की अनुपलब्धता के कारण प्रगति की राह से फिसल गया। मरीज निजी क्षेत्र के अस्पतालों में जाने के लिए मजबूर हो गए। यहां उपचार बहुत महंगा तो है लेकिन उचित और प्रभावी था। गंभीर बीमारियों से ग्रस्त मरीजों की संख्या बढ़ने के साथ निजी अस्पतालों में भीड़ बढ़ने लगी। सुप्रीम कोर्ट ने निजी अस्पतालों के कमरों के दैनिक किरायों पर आश्चर्यजनक वृद्धि पर चिंता जताई। साथ ही, न्यायपालिका ने उन मामलों को गंभीरता से लिया, जहां मरीज की मृत्यु के बाद भारी-भरकम बिल का भुगतान किए बिना अस्पताल द्वारा शव परिजनों को सौंपने में आनाकानी की जाती थी। न्यायालय ने ऐसी अमानवीय प्रथा पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। वहीं, सर्वोच्च न्यायालय ने भारत के फार्मा उद्योग में दवाओं की ऊंची कीमतों को लेकर भी गंभीर चिंता व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय ने देश में कैंसर के उपचार और कीमोथेरैपी में इस्तेमाल होने वाली दवाओं की ऊंची कीमतों पर कड़ी टिप्पणी की थी। न्यायालय का कहना था कि इतनी महंगी दवाएं गरीब मरीजों के साथ अन्याय के समान हैं।

अब सर्वोच्च न्यायालय ने दवाओं के एमआरपी और उनकी वास्तविक खुदरा कीमतों में भारी अंतर पर कड़ी नाराज़गी जताई है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने एक मामले में सवाल उठाया कि जिस दवा की कीमत खुदरा विक्रेता के लिए 15 रुपये है, वह मरीजों को 250 रुपये में क्यों बेची जा रही है। फिलहाल, दवाओं की ऊंची कीमतों और डॉक्टरों द्वारा सस्ती जेनेरिक दवाओं के बजाय महंगी दवाएं लिखे जाने से संबंधित दो याचिकाओं पर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आना है।

सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने दवाओं की कीमतों का बचाव करते हुए कहा है कि फार्मा बाजार प्रतिस्पर्धी है। उद्योग के अस्तित्व तथा विकास को बनाए रखने के लिए कीमतों का एक निश्चित स्तर आवश्यक है।

व्यापार

राजकोषीय अनुशासन के साथ पूंजीगत व्यय रहेगी प्राथमिकता

हर जिले में खुलेंगे AI प्रशिक्षण केंद्रः सीतारमण

मृदुभाषी। नई दिल्ली

देश की आर्थिक वृद्धि की गति को बनाए रखने और वित्तीय संतुलन साधने के बीच केंद्र सरकार ने पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) को अपनी प्राथमिकता घोषित किया है।

एचएसबीसी इंडिया के तीसरे वार्षिक वित्तीय समावेशन सम्मेलन में एचएसबीसी इंडिया के सीईओ हितेंद्र दवे के साथ बातचीत के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्पष्ट किया कि आर्थिक विस्तार और जनकल्याणकारी योजनाओं का समर्थन करते हुए सार्वजनिक व्यय को पूरी तरह जिम्मेदार और नियंत्रित रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक निजी क्षेत्र अपनी क्षमता विस्तार या नई इकाइयां स्थापित करने के लिए आगे नहीं आता, तब तक सरकार पूंजीगत व्यय के जरिए देश के विकास को गति देती रहेगी।



वित्त मंत्री के अनुसार, पिछले चार से पांच वर्षों में पूंजीगत व्यय ने अपने 'मल्टीप्लायर इफेक्ट' के जरिए उत्कृष्ट परिणाम दिए हैं, इसलिए यह सरकार की विकास रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहेगा। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वृद्धि को बनाए रखने के साथ-साथ राजकोषीय घाटे पर कड़ी नजर रखी जाएगी। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजकोषीय अनुशासन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने जोर देकर कहा, 'हमें राजकोषीय रूप से विवेकपूर्ण होने की आवश्यकता है; अन्यथा यह लाभ की स्थिति नहीं होगी।' खर्च हमेशा रचनात्मक और जिम्मेदार तरीकों से ही किया जाएगा। जनकल्याणकारी योजनाओं पर बात करते हुए वित्त मंत्री ने बताया कि सरकारी योजनाओं ने खाद्य सुरक्षा, आवास, स्वच्छता, पेयजल और स्वास्थ्य बीमा के जरिए बुनियादी सेवाओं तक आम जनता की पहुंच मजबूत की है। उन्होंने विश्व बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत में गरीबी का स्तर वित्तीय वर्ष 2023 के अंत तक लगभग 25 प्रतिशत से घटकर मात्र 2 प्रतिशत पर आ गया है। इस अभूतपूर्व सुधार का श्रेय लक्षित कल्याणकारी योजनाओं की कुशल डिलीवरी, व्यापक वित्तीय समावेशन और आवश्यक सेवाओं तक आसान पहुंच को जाता है।

2047 तक शत-प्रतिशत बीमा का लक्ष्य

वित्तीय समावेशन के अगले चरण में सरकार ने ऋण तक पहुंच, बीमा और पेंशन को अपनी मुख्य प्राथमिकता तय किया है। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2047 तक देश के प्रत्येक नागरिक के लिए बीमा कवरेज हासिल करना है। साथ ही नया कारोबार शुरू या विस्तार करने वालों के लिए सस्ती और आसान क्रेडिट पहुंच को अनिवार्य बताया गया है। इसके अलावा, 'विकसित भारत' के विजन के अनुरूप भारतीय बैंकिंग प्रणाली की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है, जो उद्योगपतियों और विशेषज्ञों से परामर्श कर अपनी सिफारिशें सौंपेगी।

हर जिले में AI प्रशिक्षण केंद्र

उद्योग जगत की जरूरतों और स्नातकों के कौशल के बीच के अंतर को समाप्त करने के लिए सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर विशेष ध्यान दे रही है। वित्त मंत्री ने घोषणा की कि सरकार देश के प्रत्येक जिले में एआई प्रशिक्षण-सक्षम केंद्र स्थापित करने की दिशा में काम कर रही है। इन केंद्रों के माध्यम से युवाओं को एआई-सक्षम नौकरियों के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। वित्त मंत्री का यह संबोधन दर्शाता है कि सरकार दीर्घकालिक आर्थिक विकास के लिए पूंजीगत व्यय पर निर्भरता बनाए रखते हुए राजकोषीय अनुशासन से कोई समझौता नहीं करेगी।

सेंसेक्स 1233 अंक उछला निफ्टी भी 23,400 के पार

मृदुभाषी। नई दिल्ली

सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 1,233 अंक उछलकर 75,692.78 के उच्च स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 23,400 के स्तर को पार करते हुए 387.70 अंक की बढ़त के साथ 23,440.80 पर बंद हुआ। सूचकांकों ने 1.3 फीसदी से अधिक की मजबूत बढ़त हासिल की। बाजार में चौतरफा खरीदारी से निवेशकों में भारी उत्साह नजर आया। टाटा स्टील और कोल इंडिया जैसी कंपनियों के शेयर 5 फीसदी तक उछले।



सोमवार के कारोबार में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शानदार तिमाही नतीजों और कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट ने बाजार को मुख्य रूप से सहारा दिया। इसके अलावा, विदेशी पूंजी के निरंतर प्रवाह और सकारात्मक घरेलू वृहद संकेतकों ने बाजार में आशावाद को और मजबूत किया। सेंसेक्स लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुआ। तीस सेंसेक्स कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में सबसे ज्यादा 11.64 फीसदी की जोरदार तेजी दर्ज की गई। कंपनी ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 29,550 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पिछले साल की समान अवधि से 33.8 फीसदी अधिक है। इसके तेल-से-रसायन कारोबार में वैश्विक ईंधन मार्जिन बढ़ने और दूरसंचार सेक्टर में मजबूत प्रदर्शन का लाभ मिला। टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारतीय स्टेट बैंक (SBI), एनटीपीसी और मारुति सुजुकी भी मुनाफे में रहे। हालांकि, दूसरी ओर इंफोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और सन फार्मा के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। वैश्विक मोर्चे पर, ब्रेंट क्रूड 4.46 फीसदी लुढ़ककर 108.7 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जिससे बाजार की धारणा को बल मिला। विदेशी संस्थागत निवेशकों (FIIs) ने भी खरीदारी जारी रखते हुए शुक्रवार को 3,598.54 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

अर्थव्यवस्था के मजबूत संकेत

अक्टूबर महीने के आंकड़ों ने देश की घरेलू अर्थव्यवस्था के लचीलेपन और मजबूत उपभोक्ता मांग को साबित किया है। अक्टूबर में सकल जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 23 फीसदी की जोरदार तेजी के साथ 2.31 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो अब तक का दूसरा सबसे ऊंचा स्तर है। मजबूत त्योहारी मांग के चलते अक्टूबर में घरेलू यात्री वाहनों की कुल बिक्री ने इतिहास रचते हुए पहली बार 5 लाख का आंकड़ा पार कर लिया।

त्योहारों के मौसम में ओरल हाइजीन पर डॉ. सोनिया दत्ता की सलाह

मृदुभाषी। इंदौर

देश भर में लोग दिवाली के मौके पर घरों की सालाना साफ-सफाई और सजावट में जुटे हैं। इस बीच दंत विशेषज्ञों का मानना है कि घरों की सफाई के साथ-साथ मौखिक स्वास्थ्य यानी ओरल हाइजीन पर भी विशेष ध्यान देना बेहद जरूरी है। त्योहारों के दौरान व्यस्त दिनचर्या, पार्टियों और मिठाइयों के अत्यधिक सेवन से दांतों की देखभाल अक्सर नजरअंदाज हो जाती है, जिससे प्लाक जमने और दांतों में सड़न का खतरा बढ़ जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, दांतों की नियमित देखभाल के लिए दिन में दो बार ब्रश करना और सही टूथपेस्ट का चुनाव करना आवश्यक है। प्रभावी दैनिक देखभाल के लिए डाबर रेड पेस्ट जैसे आयुर्वेदिक उत्पादों को भरोसेमंद माना गया है, जिसमें लौंग का तेल, तोमर बीज और पुदीना सत्व जैसे तत्व दांतों व मसूड़ों को मजबूत रखने और ताजगी बनाए रखने में मदद करते हैं। इंडियन डेंटल एसोसिएशन (IDA) से प्रमाणित यह टूथपेस्ट त्योहारों के व्यस्त समय में मौखिक स्वच्छता बनाए रखने में मददगार है। दंत चिकित्सकों की सलाह है कि जिस तरह घर को साफ रखा जाता है, उसी तरह मुंह की अच्छी आदतें अपनाकर पूरे साल अपनी मुस्कान को चमकदार रखा जा सकता है।



विनिर्माण की रफ्तार धीमी, कोयला क्षेत्र ने भरी 42% की तूफानी उड़ान

मृदुभाषी। नई दिल्ली

देश के विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र के लिए अक्टूबर का महीना मिला-जुला रहा। उत्पादन और नए ऑर्डर की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ने से विनिर्माण गतिविधियों की गति जरूर सुस्त हुई है, लेकिन लागत का दबाव कम होने से इस क्षेत्र को बड़ी गिरावट से राहत मिली है। दूसरी ओर, देश के कोयला क्षेत्र ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए उत्पादन में 42% की तूफानी बढ़ोतरी दर्ज की है।

सोमवार को जारी एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) के आंकड़ों के मुताबिक, मौसमी उतार-चढ़ाव से समायोजित पीएमआई सितंबर के 55.1 से घटकर अक्टूबर में 54.7 पर आ गया। भले ही आंकड़े में मामूली गिरावट आई हो, लेकिन यह अब भी 50 के तटस्थ स्तर और अपने दीर्घकालिक औसत से काफी ऊपर है। पीएमआई सूचकांक में 50 से ऊपर का अंक गतिविधियों में सुधार और विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा मंदी का संकेत देता है। एचएसबीसी की मुख्य भारतीय अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिली मजबूत मांग के दम पर नए निर्यात ऑर्डर छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। भारतीय विनिर्माण कंपनियों को बांग्लादेश, कनाडा, इंडोनेशिया, नेपाल, ओमान, सऊदी अरब, श्रीलंका, ब्रिटेन, अमेरिका और यूएई जैसे देशों से भरपूर नए ऑर्डर हासिल हुए हैं वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव को देखते हुए कंपनियों ने एहतियातन पिछले आठ महीनों में सबसे अधिक मात्रा में कच्चे माल का स्टॉक जमा किया है। उत्पाद की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कारखानों में लगातार दूसरे महीने नई भर्तियां की गईं, हालांकि नौकरियों की रफ्तार पहले से थोड़ी धीमी रही। वहीं, अगले एक साल के लिए कारोबार को लेकर कंपनियों का भरोसा सितंबर के मुकाबले थोड़ा कमजोर पड़ा है। सर्वेक्षण के अनुसार केवल 18% कंपनियों को ही अगले एक साल में उत्पादन बढ़ने की उम्मीद है।



कोयला उत्पादन का 'सुपर 42': आपूर्ति भी 36% उछली

उत्पादन में उछालः कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से कोयले का उत्पादन 42 प्रतिशत बढ़कर 2.203 करोड़ टन पहुंच गया (अक्टूबर 2025 में यह 1.549 करोड़ टन था)।

आपूर्ति में तेजीः कोयले की कुल आपूर्ति भी सालाना आधार पर 36% की बढ़त के साथ 2.111 करोड़ टन (अक्टूबर 2025 में 1.548 करोड़ टन) दर्ज की गई। एसएंडपी ग्लोबल द्वारा लगभग 400 विनिर्माण कंपनियों के क्रय प्रबंधकों से जुटाए गए डेटा के आधार पर तैयार यह रिपोर्ट दर्शाती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बुनियादी ढांचे के साथ आगे बढ़ रही है।

जंगल में करोड़ों की गांजे की खेती पर वन विभाग की कार्रवाई, दो कर्मचारी निलंबित

3,345 पौधे और 4.43 करोड़ की अवैध खेती का खुलासा होने के बाद गिरी गाज बीट गार्ड और वनपाल पर निगरानी में लापरवाही का आरोप

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। राजगढ़ के खरमोर अभयारण्य के वन क्षेत्र में करोड़ों रुपये कीमत की गांजे की अवैध खेती का मामला सामने आने के बाद आखिरकार वन विभाग में भी कार्रवाई हुई है। अखबार में पूर्व में वन विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए प्रकाशित खबर का असर हुआ है। प्रभारी वनमंडलाधिकारी लाल सुधाकर सिंह ने मामले में जिम्मेदारी तय करते हुए दो वनकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

इनमें बीट तिरला के वनरक्षक सुरेन्द्र सोलंकी और परिक्षेत्र सहायक राजगढ़ अमन सिंह टेगोर शामिल हैं। वनमंडलाधिकारी द्वारा 30 अक्टूबर 2026 को जारी अलग-अलग आदेशों में दोनों कर्मचारियों के निलंबन का आधार वनभूमि पर बड़े पैमाने पर गांजे की अवैध खेती और अतिक्रमण का पाया जाना बताया गया है।

0.74 हेक्टेयर वनभूमि पर उगाए जा रहे थे गांजे के पौधेः

मामला खरमोर अभयारण्य के कक्ष क्रमांक 441, बीट तिरला, सबरेंज राजगढ़, वन परिक्षेत्र सरदारपुर का है। वन परिक्षेत्राधिकारी सरदारपुर की 17 अक्टूबर 2026 की रिपोर्ट और संयुक्त स्थल निरीक्षण प्रतिवेदन के अनुसार वनभूमि पर तीन अलग-अलग स्थानों पर लगभग 0.74 हेक्टेयर क्षेत्र में गांजे की अवैध खेती की जा रही थी। मौके से कुल 3,345 गांजे के पौधे जब्त किए गए। मिट्टी सहित इनका कुल वजन 3,695.15 किलोग्राम दर्ज किया गया। मामले में राजगढ़ थाने में एफआईआर क्रमांक 0481/2026 भी दर्ज है। पुलिस कार्रवाई में जब्त गांजे की अनुमानित कीमत करीब 4 करोड़ 43 लाख रुपये बताई गई थी। वनमंडलाधिकारी के आदेश में स्पष्ट उल्लेख है कि वनरक्षक सुरेन्द्र सोलंकी की जिम्मेदारी बीट क्षेत्र की सुरक्षा, नियमित गश्त, अवैध अतिक्रमण और वन अपराधों की रोकथाम तथा संदिग्ध गतिविधियों की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को देना था। इसी तरह परिक्षेत्र सहायक अमन सिंह टेगोर पर भी अपने सबरेंज क्षेत्र में निगरानी और वनभूमि पर अवैध गतिविधियां रोकने की जिम्मेदारी थी। आदेश के अनुसार इतने बड़े क्षेत्र में गांजे की खेती और अतिक्रमण पाया जाना प्रथम दृष्टया दोनों कर्मचारियों की ओर से अपेक्षित सतर्कता, निगरानी और तत्परता नहीं बरतने तथा पदीय कर्तव्यों में लापरवाही का संकेत है। इसी आधार पर दोनों को निलंबित किया गया है।

निलंबन के बाद वनकर्मियों के मुख्यालय भी बदलेः

निलंबन अवधि के दौरान वनरक्षक सुरेन्द्र सोलंकी और वनपाल अमन सिंह टेगोर के मुख्यालय में बदलाव किया गया है। जारी आदेश के अनुसार वनरक्षक सुरेन्द्र सोलंकी का मुख्यालय वन परिक्षेत्र टांडा निर्धारित किया गया है, जबकि वनपाल अमन सिंह टेगोर को निलंबन अवधि में वन परिक्षेत्र मांडव मुख्यालय पर रहना होगा। । इसके साथ ही उन्हें शासन के नियमानुसार निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी।

पीथमपुर की घास बीड़ का मामला भी उठाया थाः

गौरतलब है कि इससे पहले पीथमपुर की घास बीड़ वनभूमि पर सड़क निर्माण का मामला भी सामने आया था। शिकायत के बाद सड़क हटाई गई थी,लेकिन जिम्मेदारों पर कार्रवाई को लेकर सवाल अभी भी उठे रहें । अब चौबारा के जंगल में करोड़ों की गांजे की खेती का खुलासा और दो कर्मचारियों का निलंबन वन विभाग की निगरानी व्यवस्था पर उठे सवालों के बीच महत्वपूर्ण कार्रवाई मानी जा रही है। हालांकि, अब भी बड़ा सवाल यह है कि इतनी बड़ी अवैध खेती आखिर कब से चल रही थी और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल थे

उम्मीद की रेल पटरी परः टीही-धार रेलखंड का स्पीड ट्रायल सफल धार में रेल दौड़ने की उल्टी गिनती शुरू

रेलवे ट्रैक पर इलेक्ट्रिक इंजन ने भरा फर्राटा, 130 किमी की रफ्तार से दौड़ा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन परियोजना के तहत टीही से धार के बीच रेल परिचालन शुरू होने की उम्मीद अब और मजबूत हो गई है। नवनिर्मित टीही-धार रेलखंड पर सोमवार को पहली बार इलेक्ट्रिक लोको का स्पीड ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा किया गया। परीक्षण के दौरान इलेक्ट्रिक इंजन को अधिकतम 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ाया गया। ट्रैक और विद्युतीकरण व्यवस्था की क्षमता परखने के लिए अलग-अलग चरणों में गति बढ़ाकर परीक्षण किया गया। अब आगामी 5 और 6 नवंबर को पश्चिम परिमंडल के रेल संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) ई. श्रीनिवास इस रेलखंड का सुरक्षा निरीक्षण करेंगे। इस निरीक्षण को रेल परिचालन शुरू करने की दिशा में अहम पड़ाव माना जा रहा है।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि 2 नवंबर को मुख्य अभियंता निर्माण चर्चगेट धीरज कुमार एवं अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में चार चरणों में स्पीड ट्रायल किया गया। पहले चरण में टीही से धार के बीच 30 किलोमीटर



प्रति घंटे और धार से टीही के बीच 75 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से इलेक्ट्रिक लोको चलाकर परीक्षण किया गया। इसके बाद दूसरे चरण में गति बढ़ाते हुए टीही से धार के बीच 110 किलोमीटर प्रति घंटे तथा धार से टीही के बीच अधिकतम 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से परीक्षण किया गया।

ट्रैक से लेकर ओवरहेड लाइन तक की तकनीकी जांच स्पीड ट्रायल के दौरान नवनिर्मित रेल ट्रैक की मजबूती, उसकी कार्यक्षमता और 25 केवी एसी ओवरहेड इलेक्ट्रिक लाइन की तकनीकी क्षमता को परखा गया। इसके साथ ही सिग्नलिंग सिस्टम और विद्युतीकरण से जुड़ी व्यवस्थाओं का भी परीक्षण किया गया।

रेलखंड की विभिन्न तकनीकी व्यवस्थाओं की जांच

सीआरएस निरीक्षण से पहले निर्माण विभाग द्वारा रेलखंड की विभिन्न तकनीकी व्यवस्थाओं की जांच की गई, ताकि सुरक्षा मानकों के अनुरूप सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा सकें। दरअसल, इस रेलखंड पर 25 केवी एसी विद्युत लाइन को ऊजीर्कृत किए जाने के बाद इलेक्ट्रिक लोको का सफल परीक्षण परियोजना के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अब तक रेल लाइन निर्माण और विद्युतीकरण के बाद इलेक्ट्रिक इंजन को अधिकतम गति पर दौड़ाकर उसकी क्षमता जांची गई है। इससे परियोजना के अगले चरण की प्रक्रिया को गति मिलने की उम्मीद है।

5 और 6 नवंबर को सीआरएस की नजर में होगा पूरा रेलखंड

स्पीड ट्रायल के बाद अब सभी की नजरें 5 और 6 नवंबर को होने वाले रेल संरक्षा आयुक्त के निरीक्षण पर टिकी हैं। पश्चिम परिमंडल के रेल संरक्षा आयुक्त ई. श्रीनिवास टीही-धार रेलखंड का निरीक्षण करेंगे। इस दौरान रेलवे ट्रैक, पुल-पुलियाओं सहित विभिन्न रेल संरचनाओं, सिग्नलिंग सिस्टम, विद्युत व्यवस्था और अन्य सुरक्षा मानकों का बारीकी से परीक्षण किया जाएगा। इसके साथ ही नवीन विद्युतीकृत रेलखंड पर 130 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से ट्रायल भी किया जाएगा। सीआरएस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि रेलखंड पर यात्री और मालगाड़ियों का परिचालन शुरू करने से पहले सभी व्यवस्थाएं निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप हैं। निरीक्षण के निष्कर्ष और आवश्यक स्वीकृति के आधार पर आगे की प्रक्रिया तय होगी।

धार को इंदौर से रेल मार्ग से जोड़ने की उम्मीद

इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन परियोजना पश्चिम रेलवे की महत्वपूर्ण परियोजनाओं में शामिल है। टीही-धार रेलखंड पर इलेक्ट्रिक इंजन का सफल स्पीड ट्रायल इस परियोजना के लिए बड़ी उपलब्धि है। लंबे समय से धार को रेल मार्ग से इंदौर से जोड़ने का इंतजार कर रहे लोगों की उम्मीदें अब इस रेलखंड के निरीक्षण से जुड़ गई हैं। यदि सुरक्षा निरीक्षण की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी होती है और आवश्यक स्वीकृति मिलती है तो रेल परिचालन शुरू करने की दिशा में आगे का रास्ता साफ हो सकेगा।

रेलवे ने नागरिकों से की सतर्क रहने की अपील

रेलवे प्रशासन ने स्पीड ट्रायल और आगामी सीआरएस निरीक्षण को देखते हुए आम नागरिकों से रेल लाइन के आसपास नहीं जाने की अपील की है। लोगों से कहा गया है कि वे अपने पशुओं को भी रेलवे ट्रैक के आसपास न जाने दें। इलेक्ट्रिक लाइन और तेज गति से चलने वाली ट्रेन के कारण किसी भी प्रकार की लापरवाही गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। रेलवे ने नागरिकों से सुरक्षा नियमों का पालन करने और रेल परिचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं में सहयोग करने का आग्रह किया है।

पालतू कुत्तों ने किया 3 साल की मासूम पर हमला, हालत गंभीर

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

रतलाम। जिले के जावरा स्थित धाकड़ीपुरा में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां रविवार दोपहर घर के बाहर खेल रही 3 साल की बच्ची जोया पर तीन-चार पालतू कुत्तों ने अचानक हमला कर दिया। इस हमले में बच्ची के सिर, पेट और पीठ पर 8 से ज्यादा गंभीर घाव आए हैं, जिनमें सिर पर करीब 2 इंच गहरा घाव शामिल है। बच्ची की चीख-पुकार सुनकर परिजनों और आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर कुत्तों को भगाया और उसे तुरंत जावरा अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद बच्ची की नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे देर रात रतलाम मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां वह बेहोशी की हालत में डॉक्टरों की देखरेख में भर्ती है।

पीड़ित बच्ची के पिता फिरोज खान ने बताया कि घर के पास स्थित आंगनवाड़ी का बचा हुआ खाना कुत्तों को दिया जाता है, जिससे वहां रोजाना कुत्तों का झुंड जमा रहता है। उनका आरोप है कि पूर्व पार्षद मंजर खान और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अरशीदा कुत्तों को खाना डालते हैं, जिस पर पूर्व में आपत्ति जताने पर विवाद भी हुआ था। पिता ने आशंका जताई कि आंगनवाड़ी में आने वाले अन्य बच्चों की सुरक्षा भी इस कारण खतरे में है।

दो लोगों के खिलाफ दर्ज हुआ प्रकरण

घटना के बाद बच्ची की मां हीना बी की शिकायत पर जावरा शहर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए धाकड़ीपुरा निवासी मंजर खान और अरशीदा के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 291, 296(बी), 351(3) और 3(5) के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

एफएलएन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 12 शिक्षक हुए सम्मानित



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

राजगढ़। जिपं सीईओ डॉ. इच्छित गढ़पाले की अध्यक्षता में समग्र शिक्षा अभियान के तहत माह अक्टूबर की जिला परियोजना प्रबंधन इकाई (डीपीएमयू) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरसी (एफएलएन) के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिले के 12 शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी सावन पाटीदार, डीपीसी ऋषि कुमार शर्मा और डाइट प्राचार्य श्रीमती शीला पाटोदिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में डॉ. गढ़पाले ने प्रतिमाह भरे जाने वाले ट्रैकर, फॉर्मेटिव असेसमेंट और आगामी माह में अक्षर, वर्ण ज्ञान व मौखिक भाषा विकास पर विशेष कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक माह की 10 तारीख को एसडीएम की अध्यक्षता में विकासखंड स्तरीय बैठक आयोजित करने, शालाओं के एक्सपोजर विजिट कराने तथा मेंटरिंग का उचित फॉलोअप सुनिश्चित करने को कहा।

उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित होने वाले शिक्षकों में ब्यावरा से श्रीमती कोमल यादव व श्रीमती अनीता सोनी; खिलचीपुर से श्री धर्मेन्द्र चौहान व रामचन्द्र सेन; नरसिंहगढ़ से श्रीमती नंदिनी बाहेती व श्रीमती मनीषा उपाध्याय; राजगढ़ से श्रीमती पुष्पा भलवाला व श्रीमती गंगाबाई पवार; सारंगपुर से श्रीमती विनीता शर्मा व श्रीमती कीर्ति वडोने; तथा जीरापुर विकासखंड से कैलाश चंद्र राठौर व श्री महेश भावसार शामिल रहे। शिक्षकों से अधिक से अधिक शालाओं को 'निपुण शाला' बनाने का आग्रह किया गया।

तेज रफ्तार बाइक पीछे से ट्रक में घुसी, युवक की दर्दनाक मौत

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अनूपपुर। जिले के भालूमाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत पोड़ी-चोड़ी पेट्रोल पंप के पास रविवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा पेश आया, जहाँ तेज रफ्तार बाइक आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जा भिड़ी। इस भीषण दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुँची और मामले की जाँच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, यह हादसा रविवार शाम करीब 7 बजे पोड़ी-चोड़ी पेट्रोल पंप के समीप हुआ। मृतक युवक अनूपपुर जिले के गंभीरवा टोला का रहने वाला बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस के मुताबिक, बाइक की रफ्तार इतनी तेज थी कि चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और वह सीधे आगे जा रहे भारी वाहन (ट्रक) में पीछे से जा घुसा। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक को संभलने का मौका तक नहीं मिला और उसने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। इस अचानक हुए हादसे के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है और पूरे गंभीरवा टोला क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। एक हँसते-खेलते परिवार की खुशियां इस सड़क दुर्घटना ने पल भर में उजाड़ दीं। भालूमाड़ा थाना पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

उच्च शिक्षा मंत्री का हुआ आत्मीय स्वागत

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शामगढ़। मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के शामगढ़ आगमन पर नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती कविता नरेंद्र यादव के निवास पर एक बैठक हुई। बैठक के दौरान नपा अध्यक्ष ने उच्च शिक्षा मंत्री को एक आवेदन सौंपकर शामगढ़ शासकीय महाविद्यालय में विज्ञान और कॉमर्स संकाय शुरू करने का आग्रह किया, ताकि स्थानीय छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए बाहर न जाना पड़े।

इसके साथ ही नप अध्यक्ष ने शामगढ़ में पूर्व स्वीकृत आयुर्वेदिक अस्पताल को जल्द से जल्द धरातल पर उतारने के लिए पुनः मांग दोहराई गई। अध्यक्ष ने बताया कि अगर यह दोनों मांगें पूरी होती है तो काफी सुविधा मिलेगी।

जल्द स्वीकृति का आश्वासन

पत्रकारों से चर्चा करते हुए उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि दोनों मांगें सीधे तौर



पर नगर के विकास और युवाओं के भविष्य से जुड़ी हैं। उन्होंने मामले को तुरंत संज्ञान में लेते हुए आश्वस्त किया कि इन दोनों विषयों पर गंभीरता से ध्यान आकर्षित किया गया है और जल्द ही शामगढ़ की इन मांगों को पूरा कर आवश्यक शासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी जाएगी। इस मौके पर गरोठ-भानपुरा विधायक चन्दर सिंह सिसोदिया, जिला प्रभारी दिलीप सकलेचा, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि रणजीत सिंह चौहान, गरोठ मंडल अध्यक्ष गोकुल सिंह का भी अध्यक्ष निवास पर आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान पूर्व मंडल अध्यक्ष धीरज संघवी, बलवंत सिंह पंवार और एल्डरमैन मुकेश दानगढ़ सवारिया मंडवारिया दिनेश खाती पटेल पम्मी खान पत्रकार साथी शामिल हैं।

बैठक एसडीएम-तहसीलदार ने ली कर्मचारियों की बैठक, दिए कड़े निर्देश

स्वामित्व योजनाः धीमी गति पर प्रशासन सख्त

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाने और पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ समय पर दिलाने के लिए प्रशासन ने अब मैदानी स्तर पर निगरानी बढ़ा दी है। इसी कड़ी में एसडीएम राजकुमार हलधर एवं तहसीलदार दिनेश उईके के साथ जनपद सीईओ सी.एस वास्केल ने कर्मचारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होने स्वामित्व योजना को लेकर चल रहे कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होने योजना की धीमी गति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कर्मचारिओं को कड़े निर्देश दिए। बैठक में गांववार प्रगति की जानकारी लेते हुए लंबित कार्यों की स्थिति जानी गई। अधिकारियों ने कर्मचारियों से योजना की वर्तमान स्थिति, पूर्ण हो चुके कार्यों और शेष प्रकरणों की जानकारी लेकर लाइव प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में अधिकारियों ने स्वामित्व योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों की शत-प्रतिशत रजिस्ट्री की प्रक्रिया शुरू करने और अधूरे कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने पर



जोर दिया गया। उन्होने कहा कि इस योजना को लेकर शासन, प्रशासन बेहद गंभीर है, इसलिए हमें भी इसमें लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि योजना का उद्देश्य ग्रामीण आबादी क्षेत्र में रहने वाले परिवारों को उनकी संपत्ति का वैध दस्तावेज उपलब्ध कराना है। इसके लिए राजस्व विभाग और जनपद पंचायत के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। मैदानी कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने क्षेत्र में लंबित प्रकरणों की जानकारी अपडेट रखें और कार्य में आ रही बाधाओं से तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराएं।

लाइव प्रगति के आधार पर होगी निगरानी

बैठक में केवल कागजी रिपोर्ट के बजाय वास्तविक प्रगति के आधार पर काम की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने कर्मचारियों से पूछा कि योजना के तहत अब तक कितने हितग्राहियों के प्रकरण पूरे हुए हैं और कितने मामलों में रजिस्ट्री की प्रक्रिया बाकी है। साथ ही शेष कार्यों को समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए। प्रशासन का जोर है कि योजना के क्रियान्वयन में अनावश्यक देरी नहीं हो और पात्र परिवारों को संपत्ति अधिकार के दस्तावेज उपलब्ध कराने की प्रक्रिया जल्द पूरी हो।

अधिकारियों की लापरवाही पर तय होगी जवाबदेही

स्वामित्व योजना शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं में शामिल है। इसके बावजूद कई स्तरों पर कार्य लंबित रहने से हितग्राहियों को इंतजार करना पड़ रहा है। ऐसे में प्रशासन अब समीक्षा बैठकों के माध्यम से काम की नियमित निगरानी कर रहा है। अधिकारियों ने कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे जिम्मेदारी के साथ काम करें, लंबित प्रकरणों का निराकरण करें और निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करें। बैठक का उद्देश्य योजना को कागजों से निकालकर धरातल पर गति देना और प्रत्येक पात्र हितग्राही तक इसका लाभ पहुंचाना रहा।

दीपावली 8 नवंबर को मनेगी, शाम 5:54 से 7:50 बजे तक लक्ष्मी पूजन

चौबीस अवतार मंदिर में भगवान लक्ष्मीनारायण का होगा विशेष शृंगार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देपालपुर। दीपावली का पर्व इस वर्ष 8 नवंबर, रविवार को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। कार्तिक मास की अमावस्या पर मनाए जाने वाले इस पर्व को लेकर अभी से तैयारियां शुरू हो गई हैं। दीपावली पर घरों और प्रतिष्ठानों में माता लक्ष्मी एवं भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की जाएगी।

आचार्य एवं श्री चौबीस अवतार मंदिर के मुख्य पुजारी राजेश शास्त्री के अनुसार, दीपावली पर विधि-विधान से माता लक्ष्मी, भगवान गणेश और भगवान कुबेर का पूजन करना शुभ माना गया है। इस वर्ष 8 नवंबर को अमावस्या तिथि सुबह 11:27 बजे प्रारंभ होगी, जो 9



नवंबर को दोपहर 12:31 बजे तक रहेगी। प्राप्त पंचांग गणना के अनुसार, लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त शाम 5:54 बजे से रात 7:50 बजे तक रहेगा। प्रदोष काल शाम 5:31 से रात 8:09 बजे तक रहेगा।

राजेश शास्त्री ने बताया कि दीपावली पर पूजा से पहले घर और पूजा स्थल की साफ-सफाई कर चौकी पर माता लक्ष्मी एवं भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करनी चाहिए। पूजन में रोली, अक्षत, पुष्प, फल, मिठाई, धूप और दीपक सहित आवश्यक सामग्री रखकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करनी चाहिए। सबसे पहले भगवान गणेश का पूजन और फिर माता लक्ष्मी एवं भगवान कुबेर की आराधना कर आरती करनी चाहिए।

चौबीस अवतार मंदिर में विशेष साज-सज्जा

विश्व प्रसिद्ध श्री चौबीस अवतार मंदिर में भी दीपावली पर्व को लेकर विशेष तैयारियां की जाएंगी। इस अवसर पर भगवान लक्ष्मीनारायण का विशेष शृंगार किया जाएगा। साथ ही मंदिर परिसर को आकर्षक रोशनी से सजाया जाएगा, जिससे दीपोत्सव पर मंदिर की भव्यता और निखरेगी।

डबरा में संभागीय स्तरीय योग प्रतियोगिता का भव्य आयोजन, प्रतिभागियों ने दिखाया उत्साह

जीवन में अनुशासन और प्रगति का आधार है योग, नियमित करना चाहिए : भार्गव

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

डबरा। शासकीय वृंदा सहाय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डबरा में संभागीय स्तरीय योग प्रतियोगिता का गरिमामय आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रेड क्रॉस सोसाइटी सचिव इंजीनियर दीपक भार्गव उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में अंतर्राष्ट्रीय योग प्रशिक्षक डॉ. योगेन्द्र कुशवाहा ने शिरकत की, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रेम कुमार सागर द्वारा की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि इंजीनियर दीपक भार्गव ने कहा कि आज के दौर में खेलों के प्रति समाज और युवाओं का नजरिया तेजी से बदल रहा है। अब युवा खेल क्षेत्र में भी अपना उज्ज्वल भविष्य देख रहे हैं। उन्होंने दृष्टिबाधित बच्ची सिमरन शर्मा का उदाहरण देते हुए कहा कि उसने अपनी शारीरिक बाधाओं पर विजय पाकर खेल जगत में एक उच्च स्थान प्राप्त किया है, जो सभी के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने आगे कहा कि योग भारत की प्राचीन विधा है, जो जीवन में अनुशासन और लक्ष्य भेदने की क्षमता विकसित करती है। भारत के प्रयासों से ही आज पूरा विश्व 21 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' मनाकर एक सूत्र में बंध रहा है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे भारतीय संस्कृति से प्रेरणा लेकर अपने विचारों, भोजन,



भाषा और दिनचर्या में सुधार करें, क्योंकि बिना अनुशासन के किसी भी लक्ष्य को पाना असंभव है। वर्तमान समय में योग को व्यवसाय के रूप में अपनाकर कई युवा अपनी सम्मानीय आजीविका भी अर्जित कर रहे हैं। उन्होने कहा कि जीवन में योग अनुशासन और प्रगति का आधार है, इसलिए हमें नियमित योग करना चाहिए।

योग जीवन में संतुलन का सशक्त माध्यमः कुशवाहा

विशिष्ट अतिथि डॉ. योगेन्द्र कुशवाहा ने अपने संबोधन में कहा कि योग भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग है, इसलिए हम सभी के जीवन में इसका महत्व सर्वोपरि है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक कला है जो जीवन के उतार-चढ़ाव में सामंजस्य (संतुलन) बनाना सिखाती है। सभी विधाओं के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के जीवन में योग एक अहम भूमिका निभाता है इस अवसर पर उन्होंने एक महत्वपूर्ण सूचना साझा करते हुए बताया कि महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी उमेश सिंह 'फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया' के ग्वालियर डिवीजन का कोऑर्डिनेटर (संयोजक) मनोनीत किया गया है।

योग को अपनाना उन्नति का मार्ग : डॉ. प्रेम कुमार सागर

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. प्रेम कुमार सागर ने कहा कि यदि हम अपने जीवन में योग की उपेक्षा करते हैं, तो व्यक्ति का पतन निश्चित है; वहीं इसे अपनाने से आत्मिक उन्नति और चौमुखी प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने महाविद्यालय की प्रतिबद्धता (कमिंटमेंट) को दोहराते हुए कहा कि संस्था में खेल और पढ़ाई दोनों को समान रूप से बढ़ावा दिया जाता रहेगा। इस प्रतियोगिता में महिला वर्ग में ग्वालियर जिले ने पहला स्थान हासिल किया, और दतिया जिले को दूसरा स्थान मिला। पुरुष वर्ग में ग्वालियर को पहला स्थान मिला कार्यक्रम का संचालन डॉ. एस. आर. माहौर (सह-प्राध्यापक, अर्थशास्त्र) द्वारा किया गया। कार्यक्रम के समापन पर प्रेम कुमार सागर ने कहा कि यदि हम अपने जीवन में योग की उपेक्षा करते हैं, तो व्यक्ति का पतन निश्चित है; वहीं इसे अपनाने से आत्मिक उन्नति और चौमुखी प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने महाविद्यालय की प्रतिबद्धता (कमिंटमेंट) को दोहराते हुए कहा कि संस्था में खेल और पढ़ाई दोनों को समान रूप से बढ़ावा दिया जाता रहेगा। इस प्रतियोगिता में महिला वर्ग में ग्वालियर जिले ने पहला स्थान हासिल किया, और दतिया जिले को दूसरा स्थान मिला। पुरुष वर्ग में ग्वालियर को पहला स्थान मिला कार्यक्रम का संचालन डॉ. एस. आर. माहौर (सह-प्राध्यापक, अर्थशास्त्र) द्वारा किया गया। कार्यक्रम के समापन पर सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद और आभार प्रदर्शन डॉ. शेफाली राय गंगोलिया (सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य) द्वारा व्यक्त किया गया। इस अवसर पर ग्वालियर चंबल संभाग के विभिन्न महाविद्यालयों के क्रीड़ा अधिकारी जिसमें डॉ लखविंदर सिंह, डॉ. हरेंद्र सिंह, डॉ. दिवाकर पाल, डॉ. सुदीप यादव, डॉ. प्रमोद नरवरिया, डॉ. परदीप यादव, अभिषेक सिंह, डॉ. भावना बघेल, डॉ. संजीव सिंह एवं महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. बीबी रजक, डॉ. ज्ञानेश चतुर्वेदी, डॉ. अरुण दुबे, डॉ. डीके माहौर, डॉ. परितोष परसेंडीया, डॉ. हिना साहू, डॉ. उदय प्रताप सिंह, डॉ. उमेश कुमार एवं अन्य उपस्थित रहे।

67 लाख के गांजे के पौधे जब्त

गांजे की अवैध खेती पर शिकंजा, गोगावां, बिस्टान में हुई कार्रवाई



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खरगोन। राज्य स्तरीय एंटी नारकोटिक्स अभियान के तहत जिले में अवैध गांजे की खेती पर पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा है। जिले में लगातार कार्रवाई कर लाखों रुपए मूल्य के गांजे के पौधे जब्त किए जा रहे है। यह खेती पारंपरिक फसलों की आड़ में हो रही है। पुलिस सुदुर इलाकों में भी फैलते इस कारोबार पर नकेल कसने में जुटी है। इसी के तहत बिस्टान एवं गोगावा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 67 लाख के गांजे के पौधे जब्त किए है। दोनों थानों की पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई की है। इस मामले में दो आरोपियों पर एनडीपीसी एक्ट के प्रकरण दर्ज कर उन्हे गिरफ्तार भी किया गया है। पुलिस के अनुसार मामले की जांच की जा रही है।

बिस्टान थाना पुलिस ने अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 63 लाख 45 हजार रुपए कीमत के 2230 गांजे के हरे पौधे जब्त किए है। यह कार्रवाई ग्राम महुमांडली में की गई। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार मुखबिर की सूचना पर ग्राम महूमाण्डली के रहने वाले तेरसिंह के गिट्टी खदान के पास, माता मंदिर के सामने स्थित उसके कब्जे वाले खेत में दबिश दी गई। मौके पर तेरसिंह पिता जुवानसिंह रंधावे निवासी डोल फाटा ग्राम महूमाण्डली खेत की निगरानी करते पकड़ा गया। सर्चिंग के दौरान खेत से 1269 किलोग्राम वजनी पौधे उखाड़कर जब्त किए गए। पुलिस के अनुसार आरोपी का पुलिस रिकार्ड खंगलने पर पूर्व से थाना बिस्टान पर एनडीपीएस एक्ट प्रकरण पाया गया।

इधर गोगावां पुलिस ने जब्त किए साढ़े 4 लाख के पौधे

गोगावां थाना पुलिस ने भी गांजे की खेती के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 63 नग गांजे के हरे पौधे जब्त किए है। यह गांजा कपास फसल के बीच उगाया गया था। पुलिस के अनुसार चौकी अहीरखेड़ा क्षेत्र के ग्राम सोलना के रहने वाले तुकाराम उर्फ कालु के खेत में दबिश दी गई। यहां सर्चिंग के दौरान कपास फसल के बीच हरे गांजे के पौधे पाए गए। टीम ने मौके से तुकाराम उर्फ कालु पिता थापा डावर निवासी सोलना को गिरफ्तार किया। कार्रवाई में खेत से 4 लाख 50 हजार रुपए कीमत के 63 नग पौधे जब्त किए गए। आरोपी का थाना माधव नगर जिला उज्जैन में एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज होना पाया गया।



5 किलो गांजे को साथ दो तस्कर हुए गिरफ्तार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अनूपपुर। मध्यप्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे राज्य स्तरीय एंटी नारकोटिक्स अभियान के तहत कोतवाली अनूपपुर पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने गांजा तस्करी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 5.280 किलोग्राम गांजा, 3 लाख 45 हजार 700 रुपये नकद और एक सफेद रंग की क्रेटा कार जब्त की है। जब्त सामग्री की कुल अनुमानित कीमत 14 लाख रुपये से अधिक बताई गई है।

एसडीओपी अनूपपुर द्वारा गठित पुलिस टीम ने शहडोल जिले के बुढ़ार थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 14, कड्डीटोला निवासी 43 वर्षीय आरोपी और वार्ड क्रमांक 14, मुरलियाबाग रोड निवासी 24 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया।

एनडीपीसी एक्ट के तहत मामला दर्ज

पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 576/26 के तहत धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया है। आरोपियों में से एक के विरुद्ध पूर्व में भी अन्य जिलों और थानों में एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण दर्ज हैं। कार्रवाई में सहायक उपनिरीक्षक संतोष वर्मा, प्रधान आरक्षक शिव शंकर प्रजापति, प्रधान आरक्षक नितिन नामदेव और आरक्षक सोनू यादव की टीम शामिल रही।

जंगल में जुआ खेल रहे चार गिरफ्तार

छह जुआरी हुए फरार, मौके से 7 बाइक, 12 हजार नकदी सहित दो मोबाइल बरामद

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अनूपपुर। जिले में अपराधों पर नियंत्रण और अवैध गतिविधियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में बिजुरी थाना पुलिस ने भाटाडांड के जंगल में पेड़ के नीचे संचालित जुए के फड़ पर छापेमार कार्रवाई करते हुए कुल 4 लाख 32 हजार रुपये का मशरूका जब्त किया है। पुलिस ने मौके से चार आरोपियों को पकड़ा, जबकि छह नामजद आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार, 1 नवंबर 2026 को भाटाडांड के जंगल में पेड़ के नीचे जुआ खेले जाने की सूचना पर बिजुरी थाना पुलिस ने रेड कार्रवाई की। इस दौरान मौके से रामबालक साहू (52 वर्ष), निवासी लोहसरा, भागबली सिंह गोंड (32 वर्ष), निवासी डोंगरिया छोट, अनिल कुमार केवट (38 वर्ष), निवासी पथरौड़ी, थाना कोतमा और पंकज कुमार चंद्रा (22 वर्ष), निवासी सोमनाटोला को पकड़ा गया, वहीं, छह नामजद आरोपी शैलेन्द्र शर्मा उर्फ शमी निवासी लोहसरा, अंकित



मिश्रा निवासी भगता, उमाकांत केवट उर्फ लाला केवट निवासी लोहसरा, पीतांबर साहू उर्फ राजा निवासी लोहसरा, शिवदयाल महरा उर्फ बोड्डा निवासी लोहसरा तथा रामकुमार महरा निवासी सोमनाटोला मौके से फरार हो गए।

4.32 लाख रुपये की सामग्री जब्त

पुलिस ने जुआ फड़ एवं आरोपियों के पास से 12 हजार रुपये नकद, सात मोटरसाइकिलें, दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन, ताश की तीन गड्डियां और एक बोरी जब्त की है। जब्त मशरूके में सात मोटरसाइकिलों की कीमत चार लाख रुपये और दो मोबाइल फोन की कीमत 20 हजार रुपये बताई गई है। नकदी सहित कुल जब्त मशरूके की कीमत 4 लाख 32 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध जुआ एक्ट की धारा 13 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है।

इन पुलिसकर्मियों की रही अहम भूमिका

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अनूपपुर अंकित सोनी के निर्देश पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एसडीओपी कोतमा आरती शाक्य के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में थाना प्रभारी बिजुरी विकास सिंह, उपनिरीक्षक विपुल शुक्ला, आरक्षक लक्ष्मण डांगी, विश्वजीत मिश्रा, राकेश चौहान, राजदेव सिंह एवं करमजीत सिंह की उल्लेखनीय भूमिका रही।

दशोरा नागर समाज की प्रतिभाओं का किया सम्मान



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खरगोन। दशोरा नागर समाज नगर मंडल का दशहरा मिलन समारोह समाज की धर्मशाला में आयोजित किया गया। इस दौरान नवगठित नगर मंडल अध्यक्ष पंकज सुगंधी ने दूसरी बार अध्यक्ष पद की शपथ ली।

इस दौरान हाटकेश्वर पदयात्रा के दौरान स्वल्पाहार, पुष्पवर्षा एवं अन्य सेवाओं से स्वागत करने वाले समाजजनों का सम्मान किया गया। समाज के उन बालक.बालिकाओं को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने वर्ष 2025.26 में खेलकूद, अबेकस एवं अन्य गतिविधियों में जिला, राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर विशेष उपलब्धि हासिल कर समाज का नाम गौरवान्वित किया है। समाज के संजय गुप्ता ने अपने पिता स्व. कैलाशचंद्र गुप्ता की स्मृति में पुरस्कार वितरित किए। कार्यक्रम में रामकृष्ण गुप्ता, संजय गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता, जयंत गुप्ता, महिला मंडल अध्यक्ष कविता गुप्ता, सचिव ज्योति गुप्ता सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

शिविर में 57 लोगों की जांच कर दी दवा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आष्टा। विधानसभा चुनाव में क्षेत्र के आशीर्वाद दाताओ ने अपने मतों का आशीर्वाद देकर मुझे सेवा की जो जिम्मेदारी सौपी है आप सभी के आशीर्वाद से सौपी गई जिम्मेदारी पर खरा उतरने का लगातार प्रयास कर रहा हूं । जब व्यक्ति को जो जिम्मेदारी मिले तब उसे अपने कार्यों से 100% खरा उतारने का प्रयास करना चाहिए और वही काम में आप सब के आशीर्वाद से करने में दिन-रात जुटा हूँ। मेरा प्रयास है कि आष्टा विधानसभा क्षेत्र को सीहोर जिले की एक आदर्श विधानसभा के रूप में स्थापित करुं।

उक्त उदगार विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर ने अपने जन्म दिवस के उपलक्ष में अपोलो हॉस्पिटल द्वारा लगाए गए निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श



शिविर को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। संचालक चेतन मेवाडा ने बताया कि शिविर में 57 लोगो की जांच कर दवा वितरित की गई। इस अवसर पर आष्टा अपोलो हॉस्पिटल पहुचने पर अस्पताल के संचालक चेतन मेवाडा,देव मेवाडा ने विधायक की भव्य अगवानी कर पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत सम्मान किया। अतिथियों ने ज्ञान की देवी माँ सरस्वती जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर शिविर का शुभारंभ किया। अस्पताल परिवार के संचालक चेतन मेबाड़ा एवं दीपेश ओर राजेन्द्र मेवाडा ने विधायक सहित धारा सिंह पटेल, सुशील संचेती, विशाल चौरसिया, उत्थान धारवा, सौरभ जैन, मेहरबान सिंह मेवाडा, सौभाग्य सिंह मेवड़ा, एडवोकेट सीताराम परमार, जीवन वर्मा, सरपंच जीवन सिंह मेवाडा का स्वागत सम्मान किया ।

डेढ़ घंटे में सकुशल मिली, 7 वर्षीय बालिका

आगर मालवा। शांति विहार कॉलोनी से लापता हुई एक बालिका को पुलिस ने महज डेढ़ घंटे में खोज निकाला है। बालिका के के घर से लापता होने की सूचना मिलते ही थाना कोतवाली पुलिस ने बिना समय गंवाए तत्काल तलाश अभियान शुरू किया। बालिका का फोटो लेकर पुलिस टीम ने आसपास के क्षेत्रों एवं संभावित स्थानों पर सघन खोजबीन की और लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप करीब 1 घंटे 30 मिनट में बालिका को सकुशल खोज निकाला। पुलिस टीम ने बालिका को सुरक्षित उसके परिजनों के सुपुर्द किया। अपनी बच्ची को सकुशल पाकर परिजनों ने पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रविन्द्र कुमार बोयट द्वारा पुलिस टीम के प्रत्येक सदस्य को 500-500 के नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति योजना में रक्षित जिले में प्रथम



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

कसरावाद। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर नगर के सरदार पटेल हायर सेकेंडरी स्कूल के मेधावी छात्र रक्षित आजाद एक्कल को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन की ओर से एक लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। खरगोन में आयोजित स्थापना दिवस समारोह में प्रदेश के प्रभारी मंत्री विश्वास सारंग ने रक्षित को एक लाख रुपये का चेक प्रदान कर सम्मानित किया।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग एवं स्वराज संस्थान संचालनालय के अंतर्गत स्थापित श्रीकृष्ण पाथेय न्यास द्वारा भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के तहत चयनित प्रतिभागियों में से विजेताओं का चयन 23 अक्टूबर को लॉटरी के माध्यम से किया गया था। इसमें कसरावद नगर के रक्षित एक्कल का जिले के प्रथम मेधावी छात्र के रूप में चयन हुआ था।

सियाखेड़ी प्रोजेक्ट के फिल्ड सर्वे एक सप्ताह में पूरा करें

गांव में शिविर लगाकर बांटे मुआवजा : मीना

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आगर-मालवा। लोक निर्माण विभाग के विभिन्न प्रोजेक्ट निर्माण के लिये भू-अर्जन प्रकरणों के निराकरण एवं मुआवजा वितरण कार्य की प्रगति की कलेक्टर शेर सिंह मीना ने विस्तार से समीक्षा की। यह समीक्षा प्रोजेक्ट वार की गई और इस दौरान प्रोजेक्ट की वर्तमान स्थिति की जानकारी देते हुए भविष्य की कार्ययोजना को भी कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी से समझा। इसके साथ ही इसको लेकर कलेक्टर ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए।

कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना कलेक्टोरेट सभाकक्ष र में समय-सीमा पत्रों के निराकरण की साप्ताहिक समीक्षा बैठक ले रहे थे। बैठक में कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग एवं लोक निर्माण विभाग के विभिन्न प्रोजेक्ट निर्माण के लिये भू-अर्जन प्रकरणों के निराकरण एवं मुआवजा वितरण कार्य की प्रगति की प्रोजेक्टवार विस्तार से



डेम के डूब प्रभावितों की होने लगी है रजिस्ट्री

बैठक में जलसंसाधन कार्यपालन यंत्री ने अवगत कराया कि आहू डेम के डूब प्रभावितों को मुआवजा वितरण का कार्य चार गुना के मान से करना प्रारंभ कर दिया गया है। प्रभावितों द्वारा रजिस्ट्री करवाने का कार्य भी प्रारंभ कर दिया है। कलेक्टर ने जल संसाधन कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिए कि वे आहू डेम के डूब प्रभावितों को मुआवजा राशि वितरण के लिये गांव में शिविर लगाकर राशि का वितरण अविलंब करें। उन्होंने सियाखेडी प्रोजेक्ट के फिल्ड मुआवजा प्रकरण तैयार कर मुआवजा वितरण के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आमला-नलखेड़ा फोरलेन सड़क के तहत भू-अर्जन की कार्यवाही तेजी से पूरी करने के निर्देश दिए, जिससे कि प्रोजेक्ट का कार्य तेजी से पूरा हो सके । कलेक्टर का कहना रहा कि अगर प्रोजेक्ट में लेटलतीफी की जाएगी तो उसकी लागत बढ़ जाएगी। ऐसा बिल्कुल नहीं होना चाहिए।

बगैर स्वीकृति के मुख्यालय न छोड़े जिलाधिकारी

जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी जिलाधिकारी बगैर लिखित स्वीकृति के अपना मुख्यालय नहीं छोड़े। बैठक में मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कम्पनी के अधीक्षण यंत्री एवं जिला कोषालय अधिकारी के अनुपस्थित पाएं जाने पर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिए।

बैठक में कलेक्टर शेर सिंह मीना ने जनविश्वास शिविर में प्राप्त सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों के निराकरण की विस्तार से विभागवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रेडिंग माह की सीएम हेल्पलाईन का इसी सप्ताह गुणवत्तापूर्ण एवं संतुष्टीपूर्ण तरीके से निराकरण कर अधिकारी अपने-अपने विभाग की 'ए' ग्रेड हासिल करने का प्रयास करे। बैठक में जिला पंचायत सीईओ बीएस सोलंकी, अपर कलेक्टर डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, संयुक्त कलेक्टर मिलिन्द ढ़ोके, डिप्टी कलेक्टर पीएन परमार सहित सभी डिप्टी कलेक्टर एवं

सड़क पर गिरे बिजली के तार से दो लोगों को लगा करंट

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अनूपपुर। जिले के फुनगा चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दैखल के बांका टोला में तालाब के पास बिजली के करंट की चपेट में आने से दो युवक घायल हो गए। दोनों युवक रामलीला देखकर लौट रहे थे, तभी रास्ते में बिजली की मेन लाइन से गिरे करंटयुक्त जीआई तार की चपेट में आ गए।

जानकारी के अनुसार, धनकुटा निवासी 21 वर्षीय कोमल सिंह मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम जी की लीला देखने दैखल के बांका टोला गया था। रामलीला देखने के बाद रात करीब 10 बजे शौच के लिए तालाब की ओर जाते समय आम के बगीचे के पास रास्ते में वह और उसके साथ मौजूद युवक जीआई तार में उलझकर गिर पड़े। बताया गया कि शॉर्ट सर्किट के कारण मेन लाइन से तार गिर गया था। घटना के बाद दोनों ने मदद के लिए आवाज लगाई, लेकिन सुनसान जगह होने के कारण तत्काल कोई सहायता नहीं मिल सकी। इसके बाद कोमल सिंह ने फोन के माध्यम से अपने परिजनों को घटना की जानकारी दी।

तार समेटकर ले जाने का आरोप

फरियादी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि घटना के बाद जब वे धीरे-धीरे वहां से निकलने लगे, तभी झाड़ियों की तरफ से एक व्यक्ति तार और डगनी समेटने लगा। टॉर्च की रोशनी में देखने पर उसकी पहचान दैखल निवासी रामपाल सिंह के रूप में होने की बात शिकायत में कही गई है। आरोप है कि वह तार और डगनी लेकर वहां से चला गया। पुलिस ने कोमल सिंह की शिकायत पर आरोपी रामपाल सिंह के विरुद्ध धारा 125 एवं 125(ए) के तहत

राष्ट्र-गीत एवं राष्ट्र-गान का हुआ सामूहिक गायन

गुना। नवंबर माह के प्रथम शासकीय कार्य दिवस पर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राष्ट्र-गीत वंदे-मातरम एवं राष्ट्र-गान जन-गण-मन का सामूहिक गायन हुआ। इस दौरान कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल मौजूद रहे।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/क्रेता **राहुल शर्मा पुत्र उमाशंकर** विक्रेता **सुनीता विश्वकर्मा पत्नि मोतीलाल** झोन क्र. 5 राजस्व विभाग पर आवेदन के साथ रजिस्ट्री वसीयतनामा, वारिस नाते, दान पत्र अनुसार प्रस्तुत कर सर्विस /पिन नंबर 2000364270 पता मकान नं. 91, प्रिंस पार्क कॉलोनी, इंदौर पर नामांतरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक 08.10.2026 से 15 दिवस की अवधि में किसी भी व्यक्ति बैंक संस्था व अन्य को उक्त संपत्ति के नामांतरण पर आपत्ति हो तो जोन क्रमांक 5 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अवधि पश्चात वह बिना लेखी प्रमाण प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
जोन क्रमांक 5,
इ.न.पा.नि. इंदौर

माखन भोग रेस्टोरेंट में खाद्य विभाग का छापा, निलंबित होगा लायसेंस

बटर की जगह वेजिटेबल फैट का हो रहा था इस्तेमाल

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। दिवाली के त्योहार को ध्यान में रखते हुए उज्जैन में खाद्य सुरक्षा विभाग ने शहर के होटलों, रेस्टोरेंटों और मिठाई की दुकानों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए जांच अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में सोमवार सुबह लगभग 11 बजे खाद्य विभाग की टीम ने होटल सॉलिटेयर स्थित प्रसिद्ध 'माखन भोग' रेस्टोरेंट पर औचक निरीक्षण किया। इस कार्रवाई के दौरान किचन और स्टोर रूम में गंभीर अनियमितताएं और भारी गंदगी उजागर हुई।

निरीक्षण में सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि रेस्टोरेंट में आलू, प्याज और अन्य सब्जियों के भंडारण के लिए बने स्टोर रूम के ठीक नीचे ही फूड वेस्ट चैंबर बनाया गया था। इस वेस्ट चैंबर से तेज दुर्गंध आ रही थी, जिस पर अधिकारियों ने कड़ा



ऐतराज जताया।

स्वच्छता मानकों का पालन न करना स्वास्थ्य से खिलवाड़

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, खाद्य पदार्थों के इतने करीब वेस्ट चैंबर का होना और किचन में स्वच्छता मानकों का पालन न करना स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है। इसके अलावा, जांच में यह भी खुलासा हुआ कि ग्राहकों को दी जाने वाली रोटी और चपाती पर असली बटर (मक्खन) के नाम पर 'वेजिटेबल फैट स्प्रेड' का धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा था। इसमें वेजिटेबल ऑयल के साथ केवल बटर का फ्लेवर मिला होता है, जिसे बटर बताकर परोसा जा रहा था।

बटर, तेल और पनीर के सैंपल लेकर प्रयोगशाला भेजे

कार्रवाई के दौरान टीम ने डीप फ्रीजर में रखी दाल और चावल की भी जांच की, जिसके संबंध में रेस्टोरेंट संचालक कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। बासी और दूषित होने की आशंका के चलते खाद्य विभाग ने मौके पर ही दाल और चावल को नष्ट करवा दिया, वहीं, आलू बड़े तलने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे तेल की गुणवत्ता संदिग्ध पाए जाने पर बटर, तेल और पनीर के सैंपल लेकर राज्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए हैं।खाद्य अधिकारी बसंत शर्मा ने बताया कि निरीक्षण में मिली इन तमाम अनियमितताओं, अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों और भ्रामक खाद्य सामग्री के उपयोग को बेहद गंभीरता से लिया गया है। नियमों के उल्लंघन के चलते माखन भोग रेस्टोरेंट का खाद्य लाइसेंस निलंबित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आमजन के स्वास्थ्य से समझौता नहीं किया जाएगा और यह सघन जांच अभियान निरंतर जारी रहेगा।

पकड़ में नहीं आ सकीं नील गायें

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। जिले में फसलों को नुकसान पहुँचाने वाली नीलगायों को पकड़कर स्थानांतरित करने के लिए शुरू किए गए अभियान के पहले दिन वन विभाग को अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी। ब्रजराजखेड़ी में दक्षिण अफ्रीकी 'बोमा तकनीक' और हेलीकॉप्टर की मदद से चलाए गए रेस्क्यू ऑपरेशन में झुंडों को घेरकर बोमा संरचना के फनल तक तो पहुंचाया गया, लेकिन ज्यादातर नीलगायें सतर्क होकर वापस खुले खेतों की ओर भाग गईं।

नतीजतन, पहले दिन केवल दो नीलगाय (एक नर व एक मादा) ही पकड़ी जा सकीं, जिन्हें स्वास्थ्य परीक्षण के बाद गांधीसागर अभयारण्य में सुरक्षित छोड़ दिया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, पिछले वर्ष भी इसी स्थान पर बोमा संरचना बनाई गई थी, जिससे नीलगायें पहले से परिचित थीं और सतर्कता के कारण फनल में दाखिल नहीं हुईं। हवाई सर्वेक्षण के दौरान ग्राम केसुनी में बड़ी संख्या में नीलगायों की मौजूदगी और अनुकूल वातावरण पाए जाने के बाद, अब वन विभाग और विशेषज्ञ टीम अगला रेस्क्यू ऑपरेशन केसुनी क्षेत्र में होगा।

बाहरी व्यक्ति के हस्तक्षेप से परेशान छात्राएं पहुंचीं कलेक्ट्रेट, सुरक्षा की मांग

संयुक्त कलेक्टर को ज्ञापन सौपकर छात्राओं ने लगाए गंभीर आरोप

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। अदिवासी कन्या महाविद्यालयीन छात्रावास में एक बाहरी व्यक्ति की अनाधिकृत आवाजाही और हस्तक्षेप से परेशान होकर सोमवार दोपहर करीब 50 छात्राएं सामूहिक शिकायत लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचीं।

छात्राओं ने आदिम जाति कल्याण विभाग के संभागीय उपायुक्त के वाहन चालक सोनू कुशवाहा पर परिसर में जबरन प्रवेश करने, अभद्रता करने और उनकी गतिविधियों की वीडियो रिकॉर्डिंग कराने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

रात में भी छात्रावास में आने का लगाया आरोप

कलेक्टर के नाम सौंपे गए ज्ञापन में छात्राओं ने बताया कि सोनू कुशवाहा का छात्रावास की व्यवस्थाओं से कोई आधिकारिक संबंध नहीं है, फिर भी वह हर दूसरे-तीसरे दिन और कई बार रात 8 से 9 बजे के बीच परिसर में आता है। छात्रा किरण सूर्यवंशी ने आरोप लगाया कि संबंधित व्यक्ति



ने कई छात्राओं से बदतमीजी की है और अधीक्षिका से भी अभद्र भाषा में बात की। छात्राओं ने उसके बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों (थार व स्कूटर) से आने के फोटो-वीडियो प्रमाण होने का दावा करते हुए जांच की मांग की है। वहीं, छात्रावास अधीक्षिका प्रीति चंदेल ने बताया कि सोनू कुशवाहा दिन में 4-5 बार आता है। उन्होंने इस संबंध में 8 अक्टूबर को ही संभागीय उपायुक्त को लिखित शिकायत दी थी, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ।

समाधान नहीं, तो करेंगे मुख्यमंत्री कार्यालय का रुख

छात्राओं से ज्ञापन प्राप्त करने के बाद संयुक्त कलेक्टर शिवानी तरेटिया ने मामले की निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है। उन्होंने छात्राओं को विश्वास दिलाते हुए कहा कि छात्रावास परिसर में असमय प्रवेश के आरोपों और सीसीटीवी कैमरे बंद कराने की आशंका सहित सभी बिंदुओं पर जांच की जाएगी। इसके साथ हीतथा छात्राओं की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होंगे। छात्राओं का कहना है कि उन्हें अधिकारी द्वारा दो से तीन दिनों में समाधान का भरोसा दिया गया है। यदि समय पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई और उन्हें सुरक्षा नहीं मिली, तो वे अपनी शिकायत लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय का रुख करेंगी। उन्होने अपनी समस्याओं के जल्द से जल्द निराकरण की मांग की है।

हर सप्ताह 2 घंटे स्वच्छता के लिए देने का संकल्प



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। मध्यप्रदेश के स्थापना पर संस्था सृष्टि सेवा संकल्प देवास ईकाई की एक अनिवार्य बैठक आयोजित की गई। मिडिया प्रभारी यशवंत तिवारी ने बताया कि बैठक में संस्था के उद्देश्यों कार्यप्रणाली और आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य रूप से संस्था के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों के पुनर्गठन पर विचार विमर्श किया गया ताकि स्वच्छता अभियान को और अधिक गति दी जा सके।

बैठक में उपस्थित अध्यक्ष घनश्याम माहेश्वरी, जिला प्रशिक्षण प्रभारी अरविन्द शर्मा, उपाध्यक्ष रमेशचंद जोशी, सिंहस्थ जनजागरण समिति प्रभारी संजय पौराणिक, सदस्य पंकज प्रधान, अरविन्द भट्ट, प्रभाकर पाण्डेय, सुदामा शर्मा आदि सदस्यों ने सर्वसम्मति से यह संकल्प लिया कि संस्था के सभी सदस्य पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के लिए प्रति सप्ताह 2 घंटे का श्रमदान अनिवार्य रूप से करेंगे। इसी संकल्प के तहत आज पवित्र सलिला मां क्षिप्रा के तट पर पांचवें चरण में 2 घंटे का विशेष सफाई अभियान चलाया गया। आज के अभियान में क्षिप्रा के दूसरे घाट की सफाई की गई साथियों ने घाट पर फैले पानी के जूते-चप्पल, पुराने कपड़े, पुरानी तस्वीरें, प्लास्टिक, पूजन सामग्री एवं अन्य कचरे को एकत्रित किया।

दो ट्रॉली कचरा घाट से निकाला गया

पहले दिन श्रमदान करते हुए लगभग दो ट्रॉली कचरा घाट से निकाला गया। इस दौरान बताया गया कि यह अभियान अवकाश के दिनों में नियमित रूप से चलाया जा रहा है। संस्था ने निर्णय लिया है कि यह सफाई अभियान केवल क्षिप्रा तट तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि मीठा तालाब माताजी की टेकरी सहित देवास के अन्य प्रमुख धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थलों पर भी स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।

अंत में सभी ने पर्यावरण और शिप्रा की निर्मलता के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया स्वच्छता कार्य जन अभियान बने यदि हमारी अनमोल धरोहर, पवित्र नदिया प्रदुषित हुई तो मानवजीवन कैसेसुरक्षित रहेगा, सभी से सहयोग का अनुरोध किया, स्थानीय पंचायत से निवेदन है कि जो कचरा एकत्रित किया जाता है, उसे अन्य स्थान पर डलवा देवे।

दीपोत्सव के लिए बनाया वेस्ट से बेस्ट

हेंडमेड दीवाली डेकोरेशन कार्यशाला में दिया कल्पना शक्ति व प्रतिभा का परिचय

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। जो चीजें हम अक्सर कचरा और अनुपयोगी समझकर उसे फेंक देते हैं असल में वह कितनी उपयोगी और अनमोल हो सकती है इसका उदाहरण स्कूल में आयोजित कार्यशाला में देखने को मिला जब बच्चों ने बेकार हो चुके सामान का एक से बढ़कर एक सामान तैयार किए जो देखते ही भा रहे थे।

दरअसल दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं बल्कि अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और सकारात्मक सोच से जीवन को प्रकाशमय बनाने का संदेश भी देती है। इसी को ध्यान में रखते हुए व बच्चों की प्रतिभा को मंच देने हेतु दुपाड़ा रोड स्थित सहज पब्लिक स्कूल में बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट एंड हेंडमेड दीवाली डेकोरेशन कार्यशाला का



आयोजन किया गया। ताकि बच्चों को मौका मिल सके कि वे अपनी कल्पना शक्ति और प्रतिभा का प्रदर्शन कर सके। बच्चों ने अपने शिक्षक-शिक्षिकाओं की उम्मीदो पर खरा उतरते हुए एक से बढ़कर एक डेकोशन आईटम तैयार किए जिन्हें अब बच्चे अपने घर पर सजाएंगे भी और लोगों को अपनी प्रतिभा से परीचित भी कराएंगे।

हर सुंदर वस्तु महंगी नहीं होती है

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संचालिका आशा जैन ने कहा कि आप लोगों ने अपनी कल्पनाशक्ति और हुनर का अद्भुत परिचय देते हुए अनुपयोगी वस्तुओं से आकर्षक एवं उपयोगी सजावटी सामग्री तैयार की। आप लोगों ने यह भी साबित कर दिया कि खुशियां और सुंदरता हमेशा महंगी वस्तुओं से नहीं, बल्कि अपने हाथों की मेहनत, कल्पनाशक्ति और सृजनशीलता से भी बनाई जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य ही विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, पुनः उपयोग, आत्मनिर्भरता, कलात्मक अभिव्यक्ति और नवाचार की भावना विकसित करना था।

शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होती

आशा जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि सहज पब्लिक स्कूल का विश्वास है कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होती, बल्कि बच्चों के हाथों को हुनर, मन को कल्पनाशीलता और विचारों को नई उड़ान देना भी शिक्षा का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। उन्होंने बच्चों की इस प्रतिभा की सराहना की। सह संचालिका पूर्वी जैन व प्राचार्य डॉ. अंकुर जैन ने भी बच्चों के द्वारा बनाए गए रंग-बिरंगे दीपक, तोरण, आकर्षक कंडील, वाल हैंगिंग और विभिन्न हस्तनिर्मित सजावटी वस्तुओं की प्रशंसा की। उन्होने ऐसी गतिविधियां करते रहने की बात कही।

माँ चामुंडा सेवा समिति ने किया एसपी का अभिनंदन



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। बालाघाट से देवास स्थानांतरित होकर आए नवागत पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने माँ चामुंडा की टेकरी पर पहुंचकर मां तुलजा भवानी व माँ चामुंडा की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। तत्पश्चात उन्होंने पदभार ग्रहण किया। इस दौरान माँ चामुंडा सेवा समिति द्वारा संत, महात्माओं संत पूणार्नंद महाराज, ब्रह्माकुमारी प्रेमलता दीदी के अतिथ्य में एवं समिति संयोजक रामेश्वर जलोदिया के नेतृत्व में मिश्रा का शाल, श्रीफल, मां की चुन्नी पगड़ी पुष्पमालाओं से आत्मीय अभिनंदन किया गया।

एसपी ने अपने उद्बोधन में कहा कि मां की कृपा से सब अच्छा ही होगा। हम सभी पर मां तुलजा भवानी व माँ चामुंडा का आशीर्वाद बना रहे। समिति संयोजक रामेश्वर जलोदिया ने कहा कि मां चामुंडा की नगरी में अब तक जो भी आए हैं वह सब पदोन्नत होकर शीर्ष पदों पर पहुंचे हैं। माँ तुलजा भवानी व मां चामुंडा से मनोकामनाएं हैं की आप भी अपनी कार्य शैली, श्रेष्ठ कार्यों से शीर्ष पदों पर पहुंचे।

देववासिनी की माता टेकरी पर महाआरती में उमड़ा आस्था का सैलाब

फूलों से सजे मां तुलजा भवानी एवं मां चामुंडा के दरबार में गूंजे जयकारे

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। देववासिनी पर्वत माता टेकरी पर विराजित मां तुलजा भवानी एवं मां चामुंडा के दरबार की दिव्यता और आध्यात्मिक महिमा सर्वविदित है।

संस्था देववासिनी द्वारा संरक्षक एवं सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी के नेतृत्व में विगत दिनों संपन्न हुई बैठक में माह के अंतिम शनिवार को माता टेकरी पर महाआरती करने का फैसला किया गया। पुनः प्रारंभ की गई भव्य महाआरती की श्रृंखला से माता टेकरी की धार्मिक छटा और भव्यता



में निरंतर वृद्धि देखी गई। पूर्व में भी कराई गई महाआरती के प्रत्येक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर माँ के चरणों में अपनी आस्था अर्पित की। संस्था के सचिव बंटी मंगरोलिया ने बताया कि इसी कड़ी में माता टेकरी स्थित दोनों मंदिरों को आकर्षक एवं सुगंधित पुष्पों से भव्य रूप से सजाया गया। सर्वप्रथम माँ तुलजा भवानी की संगीतमय महाआरती हुई। इसके पश्चात मां चामुंडेश्वरी की भव्य महाआरती संपन्न हुई। आरती के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। हजारों की संख्या में माता के भक्त टेकरी पहुंचे और महाआरती में सम्मिलित होकर मां के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किए।

श्रद्धालुओं ने ली महाप्रसादी

महाआरती के पश्चात श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी (भंडारे) का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर संस्था के मनीष जैन, महेश चौहान, जगदीश सेन, कमल शर्मा, मितेश रघुवंशी, संतोष वर्मा, नीरज सिंह चौहान, पंकज सोनी, रितु सावनेर, मुस्कान राठौर, मिथिलेश सोनी, श्रवण सिंह राजपूत, नितिन वर्मा, लक्की मक्कड़, शुभम जाधव, वैदिक जैन, अनुज शर्मा, कृष्णा पटवा एवं समर्थ पांचाल सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस दौरान वातावरण धर्म मय बना रहा और माता के जयकारें गुंजायमान होते रहे।

आयोजन पांच विधाओं में 300 कलाकारों ने लिया भाग

युवा उत्सव में बिखेरे कला के अलग-अलग रंग

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, देवास द्वारा आयोजित जिला स्तरीय युवा उत्सव में जिले के लगभग 300 कलाकारों ने पांच अलग-अलग विधाओं में भाग लेकर अपनी कला एवं प्रतिभा के विविध रंग बिखेरे। कार्यक्रम में लोकगीत (समूह), लोकनृत्य (समूह), नुक्कड़ नाटक (समूह), कविता लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नवित कुमार धुर्वे ने कहा कि प्रदेश में लोकगीत एवं लोकनृत्य जैसी लोककलाओं के कलाकारों को शासन द्वारा प्रोत्साहित करते हुए सशक्त मंच प्रदान किया जा रहा है, जिससे लोक कलाकारों में उत्साह बढ़ रहा है। विशेष अतिथि संजीव कुमार जैन, अपर कलेक्टर, देवास ने विजेता कलाकारों को बधाई देते हुए कहा



कि वे अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन को आगामी युवा उत्सवों में भी जारी रखें। कार्यक्रम का शुभारंभ निर्णायक मंडल के सदस्यों द्वारा मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया।

युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला

लोकगीत (समूह) प्रथम उत्कृष्ट विद्यालय देवास, द्वितीय विजेन्द्र ग्रुप, संयुक्त तृतीय नारायण विद्या मंदिर/इन्नोवेटिव विद्यालय। लोकनृत्य (समूह) प्रथम उमा महाविद्यालय, हाटपीपल्या, द्वितीय टोंकखुर्द, नुक्कड़ नाटक (समूह) प्रथम पॉलिटेक्निक कॉलेज, देवास, द्वितीय उत्कृष्ट विद्यालय। कविता लेखन प्रथम तनुजा राठौर, द्वितीय साराह खान, तृतीय अर्पणा सिंह। चित्रकला प्रथम आदिबा शेख, द्वितीय सनी प्रजापति, तृतीय कृतिका सोनी रहे। इस दौरान बताया गया कि युवा उत्सव के माध्यम से जिले के कलाकारों एवं युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला। आयोजन ने लोककला, साहित्य एवं सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन के साथ युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में पद्मश्री लोकगायक कालूराम बामनिया, राजीव बड़वाया, उपसंचालक उद्यानिकी, जयप्रकाश चौहान, अमित पिठवे, मिर्जा मुशाहिद बेग, रईस खान सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। स्वागत भाषण जिला खेल अधिकारी श्रीमती सेना गाडरिया ने दिया। प्रतियोगिताओं के निर्णायक मंडल में हेमंत सुवीर, राजकुमार चंदन, प्रफुल्ल गोहेल, दयाराम सारोलिया, राजेश परमार, प्रतिभा रायकर एवं आवेश कानूनगो शामिल रहे। अतिथियों का स्वागत पप्पी मर्सिकोल, युनुस खान, रेणु सिंह, निधि राणा, सीमा बठनिया, अंकित टोप्पो एवं अजीम शेख द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन यशवंत डागोरा ने किया तथा आभार जावेद पठान ने माना।

बछड़े को घसीटने वाले गिरफ्तार

ट्रेक्टर से बांधकर घसीटा था, वीडियो बनाकर किसान ने की थी शिकायत

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। शाजापुर। भरड़ रोड पर नेशनल हाईवे-52 ब्रिज के पास गोवंश के एक बछड़े (केड़े) को ट्रैक्टर के पीछे रस्सी से बांधकर घसीटने के मामले में कोतवाली पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल महिंद्रा कंपनी का लाल ट्रैक्टर भी जब्त किया है। एक आरोपी फरार है।

घटना शुक्रवार शाम करीब 6.30 बजे की थी। जब बावलियाखेड़ी निवासी किसान दिलीपसिंह राजपूत अपने भतीजे बलराम सिंह के साथ शाजापुर गल्ला मंडी से घर लौट रहे थे। इसी दौरान उन्होंने ट्रैक्टर के पीछे रस्सी से बंधे केड़े को घसीटते देखा। आरोप है कि केड़े के अगले दोनों पैर रस्सी से बंधे थे। दिलीप सिंह और बलराम सिंह ने ट्रैक्टर सवार लोगों को रोककर पूछने पर इन लोगों ने



गाली-गलौज की थी। बलराम सिंह ने इस घटना का वीडियो भी अपने मोबाइल से बनाया। इसके बाद दिलीप सिंह ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई और पुलिस को वीडियो दिया।

चार आरोपियों पर दर्ज किया गया मामला

पुलिस ने किसान की शिकायत पर चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की। शनिवार को वाहिद पिता लतीफ मंसूरी, अब्दुल शाहिद पिता लतीफ मंसूरी और जावेद पिता लतीफ मंसूरी को गिरफ्तार किया गया। तीनों मीरकला बाजार, शाजापुर के निवासी हैं। कोतवाली थाना प्रभारी नवीन बिलवालिया ने बताया कि दिलीप सिंह राजपूत की शिकायत पर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। एक आरोपी की तलाश जारी है और मामले की जांच की जा रही है।

खातेगांव में टीआई की हत्या मामले में पूर्व मुख्यमंत्री का हमला

मुख्यमंत्री का परिवार शराब कारोबार में लिप्त: दिग्विजय

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। देवास जिले के खातेगांव में अवैध शराब का कारोबार रोकने गए थाना प्रभारी (टीआई) पर शराब माफिया द्वारा गाड़ी चढ़ाकर की गई नृशंस हत्या की घटना पर पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने गहरा दुख जताया है। अपनी 'सत्य सनातन यात्रा' के 14वें दिन गुना जिले के ग्राम गुंजारी पहुंचने पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने प्रदेश सरकार पर तीखे हमले बोले।

दिग्विजय सिंह ने सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री का परिवार खुद शराब के व्यवसाय में लिप्त है। इसी वजह से सागर के बंडा और देवास जैसे क्षेत्रों में अवैध व जहरीली शराब के कारण लगातार लोगों की जानें जा रही हैं। उन्होंने सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए पूछा कि जब कोई कर्तव्यनिष्ठ टीआई अवैध कारोबार पर शिकंजा कसने सड़क पर उतरता है और उस पर गाड़ी चढ़ाकर उसकी हत्या कर दी जाती है, तो ऐसे अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई क्यों नहीं होती? क्या अवैध शराब का धंधा करने वाले इन भू-माफियाओं और हत्यारों के खिलाफ सरकार का बुलडोजर नहीं चलेगा? पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने 'इंडिया' गठबंधन के नेतृत्व को लेकर स्थिति साफ करते हुए कहा कि राहुल गांधी गठबंधन के निर्विवाद नेता हैं और सभी सहयोगी दल उनके नेतृत्व में एक जुट होकर काम कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे और राहुल गांधी एक ही एजेंडे पर काम कर रहे हैं, अंतर सिर्फ इतना है कि राहुल गांधी इन मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठा रहे हैं जबकि



वे खुद जमीनी स्तर पर जनता के बीच ले जा रहे हैं।

कांग्रेस लड़ रही है, इसलिए भाजपा हो रही है विचलित

संवैधानिक संस्थाओं और राम मंदिर ट्रस्ट पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा ने देश की संवैधानिक संस्थाओं पर पूरी तरह कब्जा कर लिया है और चुनाव आयोग से पक्षपात कराया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर ट्रस्ट में ऐसे लोगों को जिम्मेदारी सौंपी गई है जहां हजारों करोड़ रुपये का घपला हुआ है। जब कांग्रेस इस भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़क पर लड़ाई लड़ रही है, तो भाजपा विचलित हो गई है।

यूजीसी का ड्राफ्ट सर्वसम्मति से बना

यूजीसी गाइडलाइन विवाद पर उन्होंने कहा कि वे स्वयं इस समिति के चेयरमैन रहे हैं और उनके समय तैयार ड्राफ्ट पर 31 में से 17 भाजपा सांसदों (जिनमें रविशंकर प्रसाद, संबित पात्रा, बांसुरी स्वराज आदि शामिल थे) ने सर्वसम्मति से हस्ताक्षर किए थे। यदि गाइडलाइन में कोई असंतुलन है तो सरकार को उसे ठीक करना चाहिए।

कहां से कहां तक और क्यों निकल रही है यात्रा?

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की 'सत्य सनातन यात्रा' धार्मिक और ऐतिहासिक नगरी उज्जैन से शुरू होकर भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या तक निकाली जा रही है। यात्रा का मार्ग तय करने के लिए उज्जैन से अयोध्या का एक सीधा नक्शा (स्केल) खींचा गया है और इसी सीधे तयशुदा रास्ते पर यात्रा निरंतर आगे बढ़ रही है। गौरतलब है कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम जी मंदिर में चंदा चोरी के मामले से आहत होकर दिग्विजय सिंह यह यात्रा निकाल रहे हैं। हालांकि दिग्विजय की यात्रा की टाइमिंग को यूपी में होने जा रहे विधानसभा चुनाव से जोड़कर भी देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि अयोध्या मंदिर ट्रस्ट में सामने आए चंदा घोटाले को हवा देने के लिए दिग्विजय सिंह यात्रा लेकर निकले हैं।

पेंशनरों के लिए शिविर 4 नवंबर को लगेगा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। सेवानिवृत अधिकारी / कर्मचारी पेंशनर महासंघ की पहल पर जीवन प्रमाण पत्र (लाईफ सर्टिफिकेट) जमा करने हेतु भारतीय स्टेट बैंक शाखा स्टेशन रोड द्वारा शिविर का आयोजन 4 नवंबर को वैदांत भवन पछाड़ी खेड़ा रोडर में प्रातः 11 बजे से किया जा रहा है। जिसमें भारतीय स्टेट बैंक अशोक नगर के मुख्य प्रवंधक राजेंद्र कुमार पाठक स्वयं और उनका स्टॉफ उपस्थित रहते हुये सेवानिवृत कर्मचारियों के लाईफ सर्टिफिकेट तुरंत सम्मिट करेंगे। शिविर के बीच उपस्थित कर्मचारियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण यथा ब्लड प्रेशर, शुगर की जाँच भी की जाएगी।

इस कार्य में प्रांतीय कोषाध्यक्ष अशोक शर्मा, जिलाध्यक्ष दिनेश विरथरे, कार्यकारी जिलाध्यक्ष हरवंश जुनेजा, प्रांतीय सह कोषाध्यक्ष महेश शर्मा, जिला सचिव महाराज सिंह रघुवंशी,जिला कोषाध्यक्ष संजय चौधरी, प्रांतीय प्रचार मंत्री हरिओम शर्मा,संभागीय उपाध्यायक्ष रमेश पाराशर, प्रमोद राजवत सहित संभागीय सचिव प्रहलाद श्रीवास्तव एवं महासंघ से जुड़े सभी साथी सहयोग, मार्गदर्शन हेतु उपस्थित रहेंगे। पेंशनरों से आधार कार्ड की फोटो कॉपी, पीपीओ नंबर, लेकर उपस्थित होने का आग्रह किया गया है।

रिश्तों के बैलेंस में शिक्षक तारा सिंह अंबानी से भी है मालामाल

सेवानिवृत्ति पर समारोहपूर्वक दी गई विदाई

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। शहर के अग्रवाल पैलेस में व्याख्याता तारा सिंह यादव की सेवानिवृत्ति पर एक बहुत ही अनूठा एवं भव्य अभिनंदन एवं सम्मान समारोह का आयोजन संपन्न हुआ । जिसमें नगर के हर वर्ग हर जाति और हर संप्रदाय के लोग उनके सेवा निवृत्ति समारोह में अति उत्साह के साथ सम्मिलित हुए और शिक्षक तारा सिंह यादव को माला पहनाकर, पुष्पगुच्छ भेंटकर शाल श्रीफल भेंटकर सम्मान व स्वागत करते हुए भावभीनी विदाई दी. शिक्षक तारा सिंह यादव द्वारा रचित काव्य संग्रह संघर्ष का तारा का विमोचन मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया।

समारोह में क्या शिक्षक क्या पुलिस क्या पत्रकार क्या व्यवसायी क्या समाजसेवी क्या जनप्रतिनिधि सभी ने सेवानिवृत्ति समारोह को आदर व सम्मान देकर अविस्मरणीय बना दिया। इस अवसर पर इस अवसर पर विद्वान वक्ताओं ने शिक्षक यादव के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के सारे पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए उनके शिक्षणकाल, सामाजिकता परिवारिकता एवं साहित्यिक सृजनशीलता के कार्यों की सराहना की। उन्होने कहा कि रिश्तों के बैलेंस में शिक्षक तारा



सिंह अंबानी से भी मालामाल है।

1986 में शुरु किया था शिक्षकीय सफर

वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक तारा सिंह यादव ने अपना शिक्षकीय सफर 1986 से प्रारंभ कर अक्टूबर 2026 तक 40 वर्षीय सेवाकाल सफलतापूर्वक पूर्ण किया. शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए शिक्षक यादव को स्वतंत्रता दिवस 2025 और 2026 में जिला प्रशासन द्वारा उत्कृष्ट शिक्षक का सम्मान प्रदान किया. आपने अपने विद्यार्थी जीवन में छात्रों का प्रतिनिधित्व करते हुए शासकीय नेहरू महाविद्यालय अशोकनगर में 1985 के छात्र संघ की कार्यकारिणी में सचिव के पद को सुशोभित किया।

यह रहे उपस्थित

इस मौके पर नगर के जनप्रतिनिधि समाजसेवी शिक्षक गण एडवोकेट एवं पत्रकार सम्मिलित हुए। जिनमें विशेष रूप से विधायक मुंगावली राव बृजेंद्र सिंह यादव, नगर पालिका अध्यक्ष नीरज मनोरिया पूर्व विधायकद्वय गजराम सिंह यादव जजपाल सिंह जज्जी, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मधु शर्मा , नगर पालिका उपाध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज उपाध्याय, भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती लखन यादव, भाजपा जिला महामंत्री डॉ शीला जाटव, रघुवंशी समाज के अध्यक्ष संजय रघुवंशी खेजरा, नेता सुधीर रघुवंशी, भाजपा नेता प्रतापभान सिंह यादव पप्पू राती खेड़ा, रेड क्रॉस सोसायटी अध्यक्ष वर्तमान एवं पूर्व क्रमशः डॉ जयमंडल यादव, डॉ. दीपक मिश्रा, पूर्व नपा उपाध्यक्ष डॉ. हरवीर सिंह रघुवंशी, प्राचार्य राकेश यादव एवं प्राचार्य सीमा शर्मा एवं शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। मंच का संचालन महेंद्र जैन कडेसरा ने बखूबी किय। इस दौरान अतिथियों का आभार जितेंद्र यादव, रंजीत गुरु भारत कपिल रघुवंशी एवं धर्मेंद्र शर्मा महाकाल ने किया।

कुलगुरु पर एफआईआर दर्ज कराने अड़ी एबीवीपी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। क्रांतिवीर तात्याटोपे विश्वविद्यालय गुना में व्याप्त अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारी और कार्यकर्ता विश्वविद्यालय परिसर के बाहर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए और नारेबाजी करने के बाद चेतावनी भरा ज्ञापन दिया है। एबीवीपी ने विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. किशन यादव पर सीधे आरोप लगाते हुए उन्हें तत्काल पद से हटाने और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

प्रदर्शनकारी छात्र नेताओं ने दावा किया कि वे काफी समय से विश्वविद्यालय में चल रही गड़बड़ियों के खिलाफ आवाज उठाते आ रहे हैं, लेकिन अब स्पष्ट हो गया है कि ये तमाम अनियमितताएं स्वयं कुलगुरु डॉ. किशन यादव के संरक्षण में हो रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि डॉ. किशन यादव की नियुक्ति प्रक्रिया ही संदेह के घेरे में है। विश्वविद्यालय को सुचारू रूप से चलाने के लिए शासन द्वारा प्रतिनियुक्ति पर भेजे गए अनुभवी स्टाफ को मुक्त कर दिया गया है, ताकि विश्वविद्यालय प्रबंधन आउटसोर्स के जरिए अपनी मनमर्जी से कर्मचारियों की भर्तियां कर सके। बिना किसी ई-टेंडर प्रक्रिया के आउटसोर्स कर्मचारियों की नियुक्तियां की जा रही हैं। एबीवीपी ने कुलगुरु पर जातिगत और क्षेत्रीय समीकरण साधने का गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि झांसी के आसपास के लोगों और फर्मों को ही नियम-कायदों को ताक पर रखकर सभी टेंडर आवंटित किए जा रहे हैं।

मगराना सब स्टेशन से 5 दिन से बिजली ठप

गुना। जिले के पगारा वितरण केंद्र अंतर्गत आने वाले मगराना सब स्टेशन से जुड़े एक दर्जन से अधिक गांवों में बीते चार-पांच दिनों से बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप पड़ी है। रबी सीजन के महत्वपूर्ण समय में खेतों में पानी देने के लिए थ्री-फेस बिजली न मिलने से किसान बेहद परेशान हैं। सिंचाई नहीं हो पाने के कारण फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका खड़ी हो गई है।

ग्रामीणों के मुताबिक मगराना सब स्टेशन से जुड़े मगराना, दोषपुर, गजनाई, कुन्दौल, सेमरा, पिपरौदा, पड़रिया, मऊ खान, श्यामपुर सहित आसपास के कई गांवों में पिछले 4-5 दिनों से बत्ती गुल है। किसानों का आरोप है कि समस्या की जानकारी देने के बावजूद विद्युत मंडल के जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी कोई सुध नहीं ले रहे हैं। 3-4 दिन बीत जाने के बाद भी सोमवार तक बिजली सप्लाई बहाल होने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है।

दावा 10 घंटे बिजली, मिल रही 3 घंटे

बमौरी में कम वोल्टेज और बिजली संकट पर भड़के किसान



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। बमौरी विधानसभा क्षेत्र में बिजली के भारी ओवरलोड के कारण कम वोल्टेज और अघोषित कटौती से किसान बेहद परेशान हैं। सरकार द्वारा 10 घंटे बिजली आपूर्ति के दावों के विपरीत धरातल पर किसानों को महज 3 से 4 घंटे ही बिजली मिल पा रही है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बमौरी विधायक इंजीनियर ऋषि अग्रवाल क्षेत्र के विभिन्न सर्किलों से आए सैकड़ों किसानों के साथ गुना स्थित बिजली कंपनी के दफ्तर पहुंचे और मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के उप महाप्रबंधक से सीधी चर्चा की। विधायक ऋषि अग्रवाल ने अधिकारियों के सामने किसानों की पीड़ा रखते हुए कहा कि इस समय किसान रबी फसल की बोवनी के लिए पहला पानी दे रहे हैं। बिजली न मिलने और कम वोल्टेज के कारण पानी नहीं चल पा रहा है, जिससे बोवनी पिछड़ रही है। उन्होंने विद्युत मंडल के अधिकारियों को आईना दिखाते हुए कहा कि कंपनी विधानसभा के प्रश्नों के उत्तर में 10 घंटे बिजली देने का दावा करती है, जबकि हकीकत में 3-4 घंटे भी बिजली नहीं मिल रही है। उन्होंने मांग की कि कम से कम 8 घंटे का नियमित और गुणवत्तापूर्ण पावर बैकअप दिया जाए ताकि किसान संतुष्ट हो सकें। चर्चा के दौरान विधायक ने मौके से ही बिजली कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों से फोन पर बात की और सुहाया, विशनवाड़ा, कपासी तथा भौंरा सब-स्टेशनों पर विद्युत उपकरण खराब होने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन सब-स्टेशनों से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की स्थिति बेहद खराब है और उपकरण न सुधरने से समस्या विकराल होती जा रही है।

डीईओ बोले-लोड एडजस्टमेंट किया जा रहा है

डीई ने आश्वासन दिया कि हर साल की तरह लोड एडजस्टमेंट का काम किया जा रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मंगलवार से पंप लाइन के लिए सुचारू और निर्बाध बिजली व्यवस्था सुनिश्चित कर दी जाएगी। किसानों ने स्पष्ट किया कि यदि वादे के मुताबिक बिजली नहीं मिली, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को बीज निगम भेजा, तो कीचड़ में धंसे वाहन



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। जिले में इन दिनों मक्का की बंपर आवक हो रही है। हजारों की संख्या में किसान अपनी उपज लेकर मंडी पहुंच रहे हैं, जिसके चलते जगह कम पड़ने पर बड़ी संख्या में ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को दशहरा मैदान में खड़ा कराया गया था।

इस बीच, दीपावली पर्व नजदीक आते ही हर साल की तरह इस बार भी दशहरा मैदान में आतिशबाजी की दुकानें सजाई जाने लगी हैं और दुकानदारों की रसीदें भी कट चुकी हैं। मैदान खाली कराने की इस जद्दोजहद के बीच सोमवार को प्रशासन ने अचानक किसानों के ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को बीज निगम परिसर में शिफ्ट करने के निर्देश दिए, जिससे मौके पर हड़कंप मच गया और किसानों ने जमकर हंगामा किया। जैसे-जैसे किसानों ने अपने वाहन बीज निगम परिसर तक पहुंचाए, वहां के हालात ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दीं। बीज निगम परिसर के मैदान में मिट्टी और कीचड़ होने के कारण मक्का से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियां वहां पहुंचते ही धंसने लगीं। स्थिति यह हो गई कि किसी ट्रैक्टर का पहिया कीचड़ में पूरी तरह फंस गया, तो किसी ट्राली के धंसने से किसानों की लाखों रुपए की मक्का जमीन पर गिरने से बाल-बाल बची।

शहर में सफाई की विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की जाए : नीरज मनोरिया

नपाध्यक्ष ने ली शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर बैठक



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। दीपावली पर्व को देखते हुए शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर एवं व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से आज नगर पालिका अध्यक्ष नीरज मानोरिया ने सफाई मेट, दरोगा एवं हेल्थ ऑफिसर की बैठक ली।

बैठक में अध्यक्ष मानोरिया ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि दीपावली का पर्व नजदीक है, ऐसे में पूरे नगर में साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। शहर के प्रत्येक वार्ड, मुख्य मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों पर नियमित सफाई हो तथा कहीं भी कचरा जमा न रहने पाए।

सफाई व्यवस्था से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

बैठक में नपाध्यक्षा नीरज मनोरिया ने कर्मचारियों से उनकी आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी लेते हुए कहा कि सफाई कार्य में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। झाड़ू, हाथ ठेला सहित सफाई कार्य के लिए जिन संसाधनों की आवश्यकता है, उनकी जानकारी दें, उन्हें शीघ्र उपलब्ध कराया जाएगा। लेकिन सफाई व्यवस्था के मामले में किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि शहर को हम सभी को मिलजुलकर साफ करना है।दीपावली साल का सबसे बड़ा त्यौहार है। इस पर्व पर नगरवासियों को गदंगी की समस्या का सामना नहीं करना चाहिए।

नगरवासियों से की स्वच्छता बनाए रखने की अपील

नगर पालिका अध्यक्ष मानोरिया ने शहर के सभी नागरिकों से भी अपील की कि वे अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों का कचरा एकत्रित करके रखें तथा कचरा गाड़ी आने पर कचरा उसी में डालें। सड़क, नालियों एवं सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फेंकें। नपाध्यक्ष मनोरिया ने कहा कि शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखना केवल नगर पालिका की ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर पार्षद विपिन शिवहरे, गोपाल ओझा, अमर यादव, शिव शर्मा सहित नगर पालिका का संबंधित स्टाफ उपस्थित रहा।





स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- जितेंद्र कोठारी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि. राऊखेड़ी, देवास रोड, इंदौर (म.प्र.) 453771 से मुद्रित एवं 107, प्रथम माला, स्वदेश भवन, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) 452011 से प्रकाशित। संपादक-राघवेंद्र*।
आरएनआई नं. एमपीबीआईएल/2020/80117, फोन- 0731 3144237, मो. 83570 89000, Email-mradubhashi.news@gmail.com। समाचार चयन के लिए पीआरपी एक्ट के तहत जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।)